www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 30.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.755g
चांदी 107,000kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा
सरकारी स्कूल के गेट पर बंधी मिलीं बकरियां 04

वर्ष :09 | अंक :40 | मुंबई , गुरुवार , 31 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सीआरपीएफ कांस्टेबल ने आत्महत्या की

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के नैमेड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिनगाचल गांव में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 22वीं वाहिनी में पदस्थ आरक्षक पप्पू यादव ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में जानकारी मिली है कि पप्पू यादव मंगलवार को छुट्टी से वापस आया था और उसने बुधवार सुबह लगभग पांच बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि गोली की आवाज सुनने के बाद जब शिविर के अन्य जवान वहां पहुंचे तब उन्होंने देखा कि यादव खून से लथपथ पड़ा है। बाद में इसकी सूचना अधिकारियों को दी गई। उन्होंने बताया कि यादव बिहार के भोजपुर जिले का निवासी था। उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गईहै। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है।

जम्मू के कठुआ में ड्रोन से गिराया गया मादक पदार्थों का पैकेट बरामद

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने सीमा पार से आए एक ड्रोन द्वारा गिराया गया मादक पदार्थों से भरा एक पैकेट बरामद किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दी गई थी कि मंगलवार शाम को हीरानगर क्षेत्र में एक ड्रोन द्वारा एक पैकेट गिराया गया था जिसके बाद पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कार्रवाई की और पैकेट बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि पैकेट में 400 ग्राम मादक पदार्थ पाया गया। पूरे इलाके में तलाशी ली गई ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रोन द्वारा कोई और वस्तु तो नहीं गिराई गई। इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शोभित सक्सेना ने बताया कि सतर्कता बरती जा रही है और तलाश अभियान जारी है।

राज्यसभा नहीं पहुंचे पीएम मोदी, खड़गे बोले- ये सदन का अपमान

शाह ने कहा- मेरे से निपट रहा, तो उन्हें क्यों बुलाना; विपक्ष ने वॉकआउट किया

पीएम मोदी को बुलाने की मांग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' के तहत पहलगाम हमले के आतंकियों समेत कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है। उन्होंने साफ किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह सफाया किया जाएगा।

शाह ने कहा- पाकिस्तान लड़ने की स्थिति में नहीं था

सदन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा- पाकिस्तान लड़ने की स्थिति में ही नहीं था। किसी के समाधान नहीं हुआ। पाकिस्तान घुटनों के बल पर आया था। उनके डीजीएमओ ने हमारे डीजीएमओ को फोन किया था। युद्ध रोकने का कहा था। शाह ने कहा कि कांग्रेस के समय में जो आतंकी घटनाएं होती थीं, तब हमें फोन आते थे कि क्या कार्रवाई हुई। उनके समय में जिन आतंकियों ने हमले किए, उन्हें हमारे कार्यकाल के दौरान सैन्य ऑपरेशन में मारा गया। ऑपरेशन सिंदूर आतंकी के दिल पर हमला था। पहली बार उनके सरहद में जाकर हमारी सेना ने पराक्रम दिखाया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा

'प्रधानमंत्री के दिल्ली में रहते हुए भी वो यहां नहीं आ रहे, ये तो सदन का अपमान है। सदन- सदस्यों का अपमान करना ठीक नहीं है।' इसके बाद विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया।

एजेंसी

नई दिल्ली , राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा जारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन को संबोधित करने पहुंचे। इस पर विपक्ष ने हंगामा करते हुए पीएम मोदी को बुलाने की मांग की। इस पर शाह ने कहा- विपक्ष पूछ रहा है कि पीएम कहा हैं? पीएम इस वक्त ऑफिस में हैं, उन्हें ज्यादा सुनने का शौक नहीं है। मेरे से निपट रहा है, उन्हें क्यों बुला रहे हो।

शाह ने कहा- पाकिस्तानी आतंकियों ने जो नुकसान किया, उसके जवाब में भारत सरकार और सेना ने जो मजबूत जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया। ऑपरेशन महादेव में तीन आतंकी मारे गए। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। शाह से पहले भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन वढअ सरकार पाकिस्तानियों को मिठाई खिलाती रही। राज्यसभा-लोकसभा की कार्यवाही के पल-पल के अपडेट्स के लिए नीचे के ब्लॉग से गुजर जाएं. उनके लॉन्चिंग पैड खत्म किए। जब तक, दुश्मन जब तक डर नहीं जाता, या सुधर नहीं जाता, कभी निर्णायक नतीजा नहीं आता। कांग्रेस ने कभी जवाब नहीं दिया। हमने जवाब दिया। खौफ पैदा हो गया है। उन्हें सपने में भी हमारी मिसाइलें दिखती होंगी। मैं देश ही जनता के सामने गर्व से कहता हूं कि हिंदू कभी टेररिस्ट नहीं हो सकता। ऑपरेशन महादेव में हुई हत्याओं के समय पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर अमित शाह ने जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्यसभा में कहा, आप मुहूर्त पूछ रहे हैं? उन्होंने कहा कि मैं तो उन्हें उसी पल मार देना चाहता था। उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कल आप (कांग्रेस) पूछ रहे थे कि वे (पहलगाम के आतंकवादी) आज ही क्यों मारे गए? उन्हें कल क्यों नहीं मारा जाना चाहिए था? क्योंकि राहुल गांधी को अपना भाषण देना था? ऐसे नहीं चलता।

बहुत कमजोर स्थिति में मोदी... क्यों नहीं कर रहे ट्रंप के दावों का खंडन

खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावे को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनमें यह कहने का साहस नहीं है कि हम इस तरह की बकवास बर्दाश्त नहीं करते। दाल में कुछ काला है, इसलिए वे कुछ नहीं कह रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्रंप को सीधे तौर पर झूठा न कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो पूरा सच सामने आ जाएगा।

गांधी ने मीडिया से कहा कि जाहिर है कि प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा है कि ट्रंप ने झूठ नहीं बोला है। सबको पता है कि क्या हुआ है; वे बस यह नहीं कह पा रहे हैं कि समस्या यही है। सच्चाई यही है: अगर प्रधानमंत्री (कुछ) कहते हैं, तो वह (डोनाल्ड ट्रंप) खुलकर कहेंगे, तब पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। इसीलिए यह नहीं कहा जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बार-बार यह स्पष्ट किए जाने के बावजूद कि अमेरिका या कोई अन्य देश भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने के निर्णय में शामिल नहीं था, डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने का दावा किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम संबंधी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन नहीं कर रहे क्योंकि वह बहुत कमजोर स्थिति में हैं और उन्हें बहुत कुछ छुपाना है। मुख्य विपक्षी दल ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव समाप्त कराने में अपनी भूमिका संबंधी दावे को ट्रंप द्वारा दोहराए जाने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। ट्रंप ने स्कॉटलैंड से वाशिंगटन लौटते समय मंगलवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्रंप की हालिया टिप्पणी का एक वीडियो टैग करते हुए एक्स पर लिखा, कल लोकसभा में प्रधानमंत्री ने हस्तक्षेप करते हुए मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने एक फिर अपना दावा दोहराया। रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री अपने अच्छे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका, सऊदी अरब, कतर और ब्रिटेन में 30 बार किए गए दावों का स्पष्ट रूप से खंडन करने से क्यों इनकार कर रहे हैं? जवाब साफ है। नरेन्द्र मोदी बहुत कमजोर स्थिति में हैं और उन्हें बहुत कुछ छुपाना है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, ट्रंप, मोदी के इर्द-गिर्द सांप की तरह लिपटे हुए हैं। कल राहुल गांधी ने उन्हें इस झंझट से बाहर निकलने का एक बेहतरीन मौका दिया। बस इतना कहिए कि ट्रंप युद्धविराम के बारे में झूठ बोल रहे है।

इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लॉन्च

घने जंगल और अंधेरे में देखने की क्षमता; 97 मिनट में धरती का चक्कर पूरा करेगा

इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया

इसमें नासा की तरफ से तैयार एल-बैंड और इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया है जिन्हें विश्व में सबसे उन्नत माना जा रहा है। यह तकनीक प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन व बाढ़ की रीयल-टाइम निगरानी में मदद करेगा।

- पृथ्वी की बेहतर निगरानी की भारत को मिलेगी शक्ति
- पूरी धरती पर नजर रखेगा नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार

एजेंसी

श्रीहरिकोटा। पृथ्वी पर नजर रखने वाला सेटेलाइट नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) बुधवार को लॉन्च किया जाएगा। इसरो का जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट बुधवार शाम 5.40 बजे निसार के साथ श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा और सेटेलाइट को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित करेगा।

लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू

इस महत्वाकांक्षी मिशन के लिए 27.30 घंटे की उल्टी गिनती मंगलवार मंगलवार दोपहर 2.10 बजे शुरू हुई। इंटरनेट मीडिया पर जारी अपडेट में इसरो ने कहा, जीएसएलवी-एफ16, निसार को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार है। अंतिम तैयारियां चल रही हैं। लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

यह मिशन सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 102वां प्रक्षेपण होगा

सिंदूर तो उजड़ गया फिर ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों?

जया बच्चन ने उठाए सवाल, भाजपा ने दिया जवाब

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब पृथ्वीराज चव्हाण अकेले नहीं हैं। जरा सोचिए, यह कैसी मानसिकता है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के नाम को लेकर सरकार पर सवाल उठाया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान राज्यसभा में बच्चन ने कहा, मुझे आपको (सत्तारूढ़ पार्टी को) ऐसे लेखकों को नियुक्त करने के लिए बधाई देनी चाहिए जो इतने भव्य नाम देते हैं। लेकिन आपने इसका नाम 'सिंदूर' क्यों रखा? जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब पृथ्वीराज चव्हाण अकेले नहीं हैं। जरा सोचिए, यह कैसी मानसिकता है। वे ऑपरेशन महादेव के नाम पर सवाल उठाते हैं और इसे सांप्रदायिक कहते हैं... जया बच्चन जी, आतंकवादियों ने महिलाओं का सिंदूर मिटा दिया। सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। यही संदेश देने के लिए इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखा गया... यह दुखद है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने पहले भाजपा पर धार्मिक प्रतीकों के नाम पर अभियान चलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, उन्हें धार्मिक प्रतीकों के नाम पर अभियान चलाने के अलावा कुछ नहीं आता। वे अपने हर काम में धार्मिक कट्टरवाद भर देते हैं। वे स्थिति को हिंदू बनाम मुस्लिम संघर्ष में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेता सी.आर. केसवन ने चव्हाण की टिप्पणी को बेहद निंदनीय बताया।

तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक

बिहार चुनाव को लेकर बन गया यह बड़ा प्लान

राजद नेता ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम लोग जनता के बीच जाएंगे। इसे लेकर आज बैठक में चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि राखी के बाद हम महागठबंधन के सभी बड़े नेता जो राष्ट्र स्तर के नेता हैं जनता के बीच जाएंगे मैं खुद भी जनता के बीच जाऊंगा।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तैयारियां जोरों पर है। आज राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के पटना स्थित आवास पर महागठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि आज महागठबंधन की समन्वय समिति की बैठक हुई। उअऋ की रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार सरकार 71,000 करोड़ रुपये का ब्योरा नहीं दे सकी। यह आंकड़ा लगभग 80,000 करोड़ रुपये है; यह एक बड़ा घोटाला है। राज्य में अब तक 100 से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं और सीएम अभी भी बेहोश हैं। राजद नेता ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम लोग जनता के बीच जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की ननों को जमानत देने से इनकार

एनआईए कोर्ट में अगली सुनवाई

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगियों पर ईसाई समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस गिरफ्तारी को बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज कराई गई झूठी शिकायत के आधार पर जानबूझकर की गई उत्पीड़न की कार्रवाई बताया।

एजेंसी

कथित धर्मांतरण के सिलसिले में छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की दो ननों की जमानत याचिकाएँ निचली अदालत और सत्र न्यायालय, दोनों ने खारिज कर दी हैं। सत्र न्यायालय की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश अनीश दुबे (एफटीएससी) ने फैसला सुनाया कि मानव तस्करी के आरोपों के कारण यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है, जिसके कारण यह राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) अदालत के दायरे में आता है। अब इस मामले की सुनवाई बिलासपुर स्थित एनआईए कोर्ट में होगी। तब तक, नन न्यायिक हिरासत में रहेंगी। शिकायतकर्ता के वकील राजकुमार तिवारी द्वारा इस अदालत में एक नई याचिका दायर करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगियों पर ईसाई समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस गिरफ्तारी को बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज कराई गई झूठी शिकायत के आधार पर जानबूझकर की गई उत्पीड़न की कार्रवाई बताया। विजयन ने कहा कि यह घटना संघ परिवार के असली चरित्र को उजागर करती है। वही लोग जो ईसाइयों के घरों में केक और मुस्कुराहट लेकर घुस जाते हैं, अब ननों का शिकार कर रहे हैं।

तृणमूल का वोट बैंक बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से बना है....

टीएमसी पर सुकांत मजूमदार का निशाना

केंद्रीय मंत्री ने एएनआई को बताया कि टीएमसी ने हमेशा ऐसा इसलिए किया है क्योंकि उन्हें पता है कि उनका वोट बैंक रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए मुसलमानों से बना है, इसलिए वे ऐसा कर रहे हैं ताकि उन लोगों का नाम न कट जाए।

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को चुनावी राज्य बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन इसलिए कर रही है क्योंकि वे अपना वोट बैंक बचाना चाहते हैं, जिसमें मुख्य रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने एएनआई को बताया कि टीएमसी ने हमेशा ऐसा इसलिए किया है क्योंकि उन्हें पता है कि उनका वोट बैंक रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए मुसलमानों से बना है।

दावा — निशिकांत दुबे का बड़ा दावा, राहुल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

इंदिरा गांधी ने 1971 के युद्धविराम के लिए अमेरिका से मांगी थी मदद

एजेंसी

दुबे ने इंदिरा गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को 5 दिसंबर, 1971 को लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया, जिसमें युद्धविराम का अनुरोध किया गया था और भारत की सरकार को खतरे में बताया गया था। उन्होंने कांग्रेस पर भारत के इतिहास के बारे में झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया।

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान युद्धविराम के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी, जबकि भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया था। दुबे ने इंदिरा गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को कथित तौर पर लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया, जिसमें युद्धविराम कराने में मदद का अनुरोध किया गया था। दुबे ने इंदिरा गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को 5 दिसंबर, 1971 को लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया, जिसमें युद्धविराम का अनुरोध किया गया था और भारत की सरकार को खतरे में बताया गया था। उन्होंने कांग्रेस पर भारत के इतिहास के बारे में झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि कल लोकसभा में राहुल गांधी जी ने 1971 युद्ध के बारे में इंदिरा गांधी जी की भूमिका पर गलत बयानी की। दिसंबर में इंदिरा गांधी जी ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन जी को पाकिस्तान के साथ युद्ध रोकने की गुहार लगाई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी ने अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण किया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी को अध्यक्षीय डायरेक्शन के नियम 115 के तहत राहुल गांधी जी पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। बाद में एएनआई से बात करते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि ये 5 दिसंबर 1971 का एक पत्र है, जो इंदिरा गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को लिखा था। उन्होंने लिखा था कि हमारी सरकार खतरे में है, और भारत युद्ध विराम चाहता है; आप पाकिस्तान को मना लीजिए। इतना बड़ा आत्मसमर्पण, इतना बड़ा झूठ। 1971 का पूरा इतिहास इंदिरा गांधी द्वारा लिखे गए इस एक पत्र में समाहित है। जब लोगों को लगा कि हम अपने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को ले सकते हैं, जब हमने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया था, उस समय अचानक युद्ध विराम हो गया। उन्होंने आगे कहा कि इस इतिहास को देखने के बाद, क्या आपको नहीं लगता कि कांग्रेस ने पूरे मीडिया को नियंत्रित किया था? कांग्रेस ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की। हमें बचपन से यही पढ़ाया गया है कि निक्सन और किसिंजर को भारत में घुसने नहीं दिया गया, लेकिन इतिहास यही है कि 1971 में गांधी ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

एसआईआर मतलब खामोश धांधली, चुनाव आयोग पर अभिषेक बनर्जी का विस्फोटक आरोप

अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि 'एसआईआर' का अर्थ 'खामोश अदृश्य धांधली' है, जो भाजपा के पक्ष में लोगों के मताधिकार छीनने का प्रयास है। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची से नाम गायब होने और कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी होने का उदाहरण दिया, साथ ही सरकार को पहलगाम हमले और अमेरिकी नियंत्रण जैसे मुद्दों पर घेरा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने सवाल खड़े किए है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर इस देश के नागरिकों के नाम सूची से काटे जा रहे हैं और एक कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, और चुनाव आयोग इस आवासीय प्रमाण पत्र को स्वीकार भी कर रहा है। कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र तो है, लेकिन लोग वोट नहीं डाल सकते। जिस एसआईआर की वे बात कर रहे हैं... विशेष गहन पुनरीक्षण...। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर का असली मतलब है खामोश अदृश्य धांधली, जिसकी शुरूआत चुनाव आयोग ने भाजपा के पक्ष में की है। जो लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल सरकार पर सवाल उठाने के लिए करते हैं, चुनाव आयोग उनका मताधिकार छीनने की कोशिश कर रहा है। जिस तरह से वे पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं... मेरा मानना है... उन्होंने पहले भी देखा है कि पश्चिम बंगाल में उनके कार्यों का कोई नतीजा नहीं निकला। अब उन्होंने बिहार में भी ऐसा ही किया है; मुझे विश्वास है कि बिहार की जनता इसका जवाब देगी। इस बीच, मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। टीएमसी सांसद ने कहा कि हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है... वे बंगाल में भी यही कोशिश करेंगे, खूब उत्पात मचाएँगे।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

सम्पादकीय

चेस महिला विश्वकप जीतने वाली पहली महिला बनीं दिव्या देशमुख, 19 साल की उम्र में हासिल किया था ग्रैंडमास्टर का तमगा

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय शतरंज का एक सुनहरा दौर चल रहा है और इसने वैश्विक स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में अपनी अच्छी दखल दर्ज की है। इसी क्रम में सोमवार को जार्जिया के बातूमि में खेले गए फिडे महिला विश्व कप शतरंज, 2025 में दिव्या देशमुख ने भी एक शानदार अध्याय जोड़ा है। विश्व कप में हमवतन कोनेरू हम्पी को हरा कर बाजी मारने और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम करने के साथ ही सिर्फ उन्नीस वर्ष की उम्र में दिव्या ने ग्रैंडमास्टर का तमगा भी हासिल कर लिया। हालांकि इस प्रतियोगिता की शुरूआत में इस बारे में किसी के लिए सोचना भी मुश्किल था। अब दिव्या महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। इसके अलावा, वे ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी खिलाड़ी हैं। इस खिताबी मुकाबले को दो पीढ़ियों के बीच संघर्ष के तौर पर देखा जा रहा था, जिसमें दिव्या ने अपने से दोगुनी उम्र की अनुभवी और कई अहम खिताब जीतने वाली हम्पी को हरा दिया। हालांकि कोनेरू हम्पी ने फाइनल में जगह बनाने के बाद ही यह कह दिया था कि अंतिम मुकाबला बहुत मुश्किल होने वाला है, क्योंकि दिव्या ने इस विश्व कप में बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया है। जाहिर है, दिव्या की इस जीत की जमीन पहले ही बन चुकी थी ।दो बार विश्व रैपिड शतरंज का खिताब जीत चुकी हैं हम्पी गौरतलब है कि एक ओर हम्पी दो बार विश्व रैपिड शतरंज का खिताब जीत चुकी हैं, तो दिव्या ने भी कई शानदार कामयाबियों के अलावा 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब हासिल किया था और पैंतालीसवें शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यानी कहा जा सकता है कि इस बार विश्वकप जीतने से पहले दिव्या ने शतरंज की दुनिया में अपने लिए एक मजबूत जगह बना ली थी, जहां उनसे उम्मीदें बढ़ गई थीं। निर्वाचन आयोग की ओर से तय किए गए नागरिकता प्रमाण पत्र को लेकर सबसे बड़ा विवाद अब उनकी इस जीत से निश्चित तौर पर शतरंज प्रतियोगिताओं की वैश्विक बिसात पर भारत की मजबूत जगह बनी है। पिछले साल चार भारतीय पुरुष खिलाड़ियों- डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी, आर प्रज्ञानानंद और अरविंद विश्व शतरंज की शीर्ष दस की रैंकिंग में शामिल हो गए थे। अब दिव्या की जीत को भी शतरंज में भारतीय कामयाबी की एक कड़ी और भविष्य की उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है।

आज का विचार

जीवन की एक अजीब विडंबना है.....

जैसे प्यासे को पानी की एक एक बूंद की,
और भूखे को अन्न के एक एक दाने की कीमत का पता होता है
ठीक वैसे ही जिस इंसान के पास जो सुख नहीं होता,
वही उस सुख का सबसे बढ़िया वर्णन कर सकता है...

भारत संवाद

मेष राशिः आपका दिन शुभ रहने वाला है। बिजनेस के मामले में कोई बड़ी और खास डील फाइनल हो सकती है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भौतिक सुख भी बढ़ेंगे। आप कुछ शुभ व्यय भी कर सकते हैं, जिससे लोग आपकी सराहना करेंगे। परिवार में भी शांतिपूर्ण और खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

वृषभ राशिः व्यापार के मामले में आप को नई योजना बना सकते हैं। यह भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। साथ ही, अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। दिन के समय कामकाज में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन आप समझदारी से इन्हें पूरा कर लेंगे।

मिथुन राशिः आपका दिन रचनात्मक रहने वाला है। ऐसे ही किसी कार्य में आप अपना ज्यादा समय बिता सकते हैं, जिससे मन को सुकून मिलेगा। कार्यक्षेत्र में भी आप वही काम करेंगे, जो आपको सबसे ज्यादा प्रिय है। व्यापार को लेकर नई योजनाएं दिमाग में आती रहेंगे। इसके लिए आप किसी अनुभवी और सीनियर व्यक्ति का सहयोग भी ले सकते हैं।

कर्क राशिः आपका दिन शुभ फल देने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरी मेहनत और लगन के साथ करेंगे उसका परिणाम तुरंत प्राप्त हो सकता है। अगर लंबे समय से काम अधूरे पड़े थे, तो वे भी अब पूरे हो सकते हैं। साथ ही, कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा हो सकती है।

सिंह राशिः आप कामकाज के मामले में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ वरिष्ठ अधिकारी आपके जरूरी कार्यों में परेशानियां या बाधाएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में आपको सतर्क रहने की जरूरत होगी और किसी पर भी जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें।

कन्या राशि :कार्यक्षेत्र में आसपास के लोगों से टकराव होने की स्थिति बन सकती है, जिससे आपको दूरी बनाए रखनी होगी। साथ ही, कटु वाणी का प्रयोग करने से बचें और संयम बनाए रखें, अन्यथा कोई बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। कार्यस्थल पर आत्मविश्वास के साथ काम करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा

तुला राशि : व्यापार और नौकरी के मामले में दिन लाभदायक साबित होगा। अगर कार्यस्थल पर कोई विवाद चल रहा था, तो वह अब सुलझ सकता है। वहीं, व्यापार के मामले में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है, जो भविष्य में बड़ा लाभ दिला सकते हैं। नौकरी करने वालों का दिन भी शुभ रहेगा और लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक राशिः कारोबार में आपका दिन बहुत बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में आप काफी व्यस्त भी रह सकते हैं। नौकरी व व्यापार के मामले में कुछ नया करने से आपको भविष्य में लाभ प्राप्त हो सकता है। कामकाज भी नए सिरे से शुरू हो सकता है। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

धनु राशिः आपको कार्यक्षेत्र में सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। सोच-समझकर फैसले लेना ही आपके लिए बेहतर होगा। बिजनेस में समझदारी के साथ थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिलने की संभावना भी बनी हुई है।

मकर राशिः कारोबार के मामले में दिन सामान्य रहेगा। पार्टनरशिप में किए गए व्यापार से लाभ मिलने की संभावना है।

कुंभ राशिः व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है। कामकाज तेजी से होगा और लाभ कमाने के भी अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहने का आवश्यकता होगी।

मीन राशि; दिन लाभकारी रहने वाला है और व्यापार में जोखिम उठाने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है। लेकिन ज्यादा जल्दबाजी से भी बचना होगा। अगर कुछ परेशानियों का सामना कर रहे हैं,

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

> अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है।

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों

के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमजोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दशार्ते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोजमर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं ।बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर जोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज करते हैं। हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे

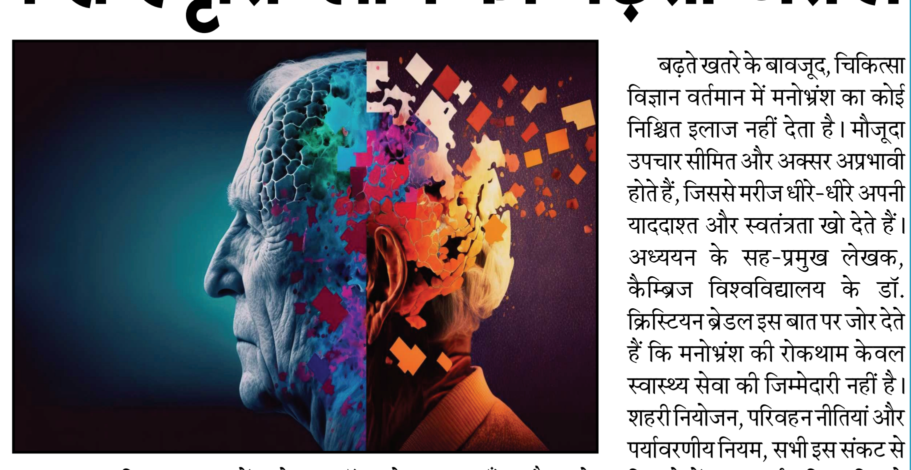

समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमजोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दशार्ते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोजमर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर जोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज करते हैं। हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं।

जेंटलमैन गेम को शर्मसार करतीं अनजेंटल हरकतें

हरीश शिवनानी

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के मैनचेस्टर के चौथे टेस्ट मैच के पांचवे दिन के आखिरी घंटे में इंग्लिश कैप्टन बैन स्टॉक्स ने जो हरकत की, वो जेंटलमैनस गेम कहे जाने वाले क्रिकेट पर एक धब्बे की तरह अंकित हो गई. स्टॉक्स ने जिस परिस्थिति में जो हरकत की, उसने चार दशक पहले भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच की कटु याद दिला दी, जब ऐसी ही परिस्थिति में पाकिस्तान के कप्तान जहीर अब्बास ने ठीक वैसी ही हरकत की थी। दरअसल रविवार की रात मैनचेस्टर टेस्ट में जब आखिरी 15 ओवर का खेल बचा था, स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर को मैच ड्रॉ करने का ऑफर दिया, लेकिन दोनों इंडियन बैटर्स ने मना कर दिया. मानते भी कैसे, उस समय जडेजा 89 रन पर और सुंदर 80 रन पर थे. दोनों सेंचुरी डिजर्व करते थे. इस फैसले पर स्टोक्स तिलमिला गए और न सिर्फ इन दोनों पर अपना गुस्सा जाहिर किया, बल्कि विरोध के लिए हैरी ब्रूक की तरफ बॉल उछाल दी. ब्रूक ने भी मजाकिया अंदाज में बॉलिंग की। इससे इंग्लैंड की हताशा साफ जाहिर हो रही थी.उसी दौरान इंग्लैंड के एक और खिलाड़ी की आवाज स्टंप्स माइक से आई आपको कितना समय चाहिए, एक घंटा?

गुस्साए स्टोक्स ने हताशा में अपने ही दो खिलाड़ियों की इज्जत भी उछाल दी। स्टॉक्स ने कहा, अगर तुम्हें शतक की बनाना था तो ऐसी बल्लेबाजी पहले कर लेते। क्या तुम ब्रूक जैसे और बेन डाकेट जैसे गेंदबाजों के सामने 100 पूरा करना चाहोगे? इस पर जडेजा ने कहा, तुम क्या चाहते हो कि मैं ऐसे ही यहां से चला जाऊं? इस पर सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने कहा, जडेजा आप हाथ मिलाये और खेल को खत्म कीजिये। जडेजा ने साफ कह दिया, मैं कुछ नहीं कर सकता। फिर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कुछ तीखी बहस-सी हुई. इसके बाद स्टोक्स ने हैरी ब्रुक और जो रूट को गेंदबाजी पर लगाया और अंतिम कुछ मिनटों में दोनों टीमों के बीच कुछ कड़वाहट दिखी। जडेजा के ड्रॉ से मना करने से स्टोक्स इतने खफा हो गए कि मैच के अंत में उन्होंने उन से हाथ भी नहीं मिलाया। इंग्लिश टीम के इस व्यवहार को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी किरकिरी हो रही है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने इंग्ल?श टीम की मोरल हिपोक्र?सी बताते हुए स्टोक्स को नौटंकीबाज तक करार कर दिया. फॉक्स क्र?केट ने लिखा कि टेस्ट क्रिकेट का तथाकथ?त सेवियर इंग्लैंड अब मनोरंजन से ज्यादा रिजल्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है. हेराल्ड सन ने अंग्रेजी टीम को गैर-खेल भावना वाला बताया. मैनचेस्टर में स्टॉक्स के इस नकारात्मक रवैये ने 42 साल पहले भारत-पाकिस्तान के बंगलौर टेस्ट की कटु याद दिला दी, जब इस टेस्ट में पाकिस्तानी कप्तान जहीर अब्बास ने ऐसी ही हरकत की थी. यह घटना 14-18 सितंबर 1983 को चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई थी। यह भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट था। यह टेस्ट मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। अंतिम दिन भारत दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहा था, और सुनील गावस्कर 96 रन पर थे कि पाकिस्तान के कप्तान जहीर अब्बास ने यह कहते हुए कि दिन के लिए न्यूनतम 77 ओवर पूरे हो चुके हैं, अपनी टीम को मैदान से बाहर ले जाने का फैसला किया। उनका यह फैसला गावस्कर को शतक बनाने से रोकने की रणनीति के रूप में देखा गया, लेकिन सुनील गावस्कर ने मैदान छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि नियमों के अनुसार, दिन का खेल आधिकारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ था। गावस्कर और उनके साथी बल्लेबाज क्रीज पर डटे रहे। इस घटना के बाद दोनों टीमों के अधिकारियों और अंपायरों के बीच चर्चा हुई।

अवैध बांग्लादेशियों-रोहिंग्या की खैर नहीं, महाराष्ट्र में ऐसे लोगों पर एक्शन तेज, सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

महाराष्ट्र में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशियों-रोहिंग्या की खैर नहीं। महाराष्ट्र में ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन तेज हो गया है। महाराष्ट्र में जिन लोगों ने फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट बनाए हैं। उन्हें रद्द करने का आदेश राज्य सरकार ने दिया है। इसे लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशियों-रोहिंग्या की खैर नहीं। महाराष्ट्र में ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन तेज हो गया है। महाराष्ट्र में जिन लोगों ने फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट बनाए हैं। उन्हें रद्द करने का आदेश राज्य सरकार ने दिया है। इसे लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की जांच के लिए सरकार ने एक टास्क फोर्स बनाया है। टास्क फोर्स की टीम जांच करेगीमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि टास्क फोर्स की टीम जांच करेगी कि राज्य में ऐसे कितने बांग्लादेशी नागरिक हैं, जिन्होंने फर्जी सर्टिफिकेट बनवाए हैं। जितने भी बर्थ सर्टिफिकेट फर्जी तरीके से बनाए गए हैं, उन्हें रद्द करने का आदेश दिया गया है। सरकार ने 15 अगस्त तक पूरी कार्रवाई करने का आदेश दिया है।कांग्रेस पर निशाना साधाउन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने मंगलवार को संसद में जो बयानबाजी की थी, उसके लिए 140 करोड़ जनता ने कांग्रेस को लताड़ा।

शरद पवार को झटका, एनसीपी एसपी नेता अण्णासाहेब डांगे अपने दोनों बेटों के साथ बीजेपी में शामिल

शरद पवार की पार्टी एनसीपी एसपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अण्णासाहेब डांगे बुधवार को अपने दोनों बेटों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। डांगे का पश्चिमी महाराष्ट्र के धनगर समुदाय में अच्छा खासा प्रभाव माना जाता है। डांगे पहले भी बीजेपी में रह चुके हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः शरद पवार की पार्टी एनसीपी एसपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अण्णासाहेब डांगे बुधवार को अपने दोनों बेटों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। डांगे का पश्चिमी महाराष्ट्र के धनगर समुदाय में अच्छा खासा प्रभाव माना जाता है। डांगे पहले भी बीजेपी में रह चुके हैं। वे 1995 से 1999 तक शिवसेना-बीजेपी की सरकार में मंत्री भी थे। इसके बाद वे करीब दो दशक तक एनसीपी में रहे। एनसीपी में फूट पड़ने के बाद शरद पवार के साथ जुड़े रहे। डांगे सांगली जिले के ईश्वरपुर (पूर्व में इस्लामपुर) के रहने वाले हैं।

डांगे की घर वापसी पर क्या बोले फडणवीस?

बुधवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डांगे का मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने डांगे को जनसंघ और बीजेपी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शीर्ष नेताओं में से एक नेता बताया। उन्होंने कहा कि डांगे की घर वापसी हमारे लिए नहीं बल्कि पूरे पार्टी के लिए खुशी की बात है और हमें आपका ध्यान रखने के बजाय, एक वरिष्ठ होने के नाते आपको हमारा ध्यान रखना चाहिए।पार्टी के मूल विचारों को कभी नहीं छोड़ाफडणवीस ने कहा कि अगर हमसे कोई गलती हो जाए, तो नाराज न हों, आपके आशीर्वाद से बीजेपी और पार्टी कार्यकर्ता अच्छा काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री डांगे ने पार्टी जरूर छोड़ दी थी, लेकिन उन्होंने पार्टी के मूल विचारों को कभी नहीं छोड़ा। प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व और विकास नीति पर विश्वास करके पूर्व मंत्री अण्णा डांगे और उनके समर्थको ने बीजेपी में प्रवेश किया है। उनका यह विश्वास सार्थक होगा। मेरे जीवन का अनमोल दिन -अण्णा डांगेबीजेपी में करीब 23 साल बाद वापसी करने वाले डांगे ने कहा कि आज मेरे जीवन का एक सौभाग्यशाली दिन है। मैंने 20 मार्च, 2002 को बीजेपी से इस्तीफा दे दिया था। पिछले कई वर्षों से मैंने कई पार्टियों में काम किया, लेकिन मुझे उचित पहचान नहीं मिली। अब मैं बीजेपी के उत्थान और विकास के लिए कड़ी मेहनत करूंगा।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा उधना और रक्सौल के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से 05560/05559 उधना-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 05560/05559 उधना-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशलः

ट्रेन संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल को 28 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल को 27 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 05560 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 1 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। इन ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेलवे दो धार्मिक स्थलों को जोड़ेगा

साईनगर शिरडी और तिरुपति के बीच 18 विशेष ट्रेनें चलाई जाएँगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलवे श्रद्धालुओं के लिए साईंनगर शिरडी और तिरुपति के बीच 18 विशेष ट्रेनें चलाकर एक बड़ी सौगात दे रहा है।

ये ट्रेनें दो महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को जोड़ेंगी और श्री साईं बाबा और श्री वेंकटेश्वर के दर्शन का अनूठा अवसर प्रदान करेंगी।

विवरण इस प्रकार हैंः -

साईनगर शिरडी - तिरुपति साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे)

07638 साप्ताहिक स्पेशल 04.08.2025 से 29.09.2025 तक प्रत्येक सोमवार को 19.35 बजे साईनगर शिरडी से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 01.30 बजे तिरुपति पहुँचेगी (9 फेरे)

07637 साप्ताहिक स्पेशल 03.08.2025 से 28.09.2025 तक प्रत्येक रविवार को 04.00 बजे तिरुपति से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.45 बजे साईनगर शिरडी पहुँचेगी (9 फेरे)

ठहरावः कोपरगाँव, मनमाड, नागरसोल, औरंगाबाद, जालना, सेलू, परभणी, गंगाखेर, परली वैजनाथ, लातूर रोड, उदगीर, भालकी, बीदर, जाहिराबाद, विकाराबाद, लिंगमपल्ली, सिकंदराबाद, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, नादिकुडे, पिदुगुराल्ला, सत्तेनापल्ले, तेनाली, चिराला, ओंगोल, गुडूर और रेनिगुंटा

संरचनाः दो एसी-2 टियर, 4 एसी-3 टियर, 6 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सेकंड सिटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर वैन।

आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 07638 के लिए बुकिंग 01.08.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.inपर शुरू होगी।

अनारक्षित डिब्बों की बुकिंग यूटीएस प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है, जिसमें अनारक्षित सीटों के लिए सामान्य शुल्क सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के समान होगा।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

पूर्व नगरसेवकधनंजय गावड़े के शिकायत पर पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार पर गिरी ईडी की गाज , सुबह 7बजे से रात 1.30बजे तक चली पूछताछ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ईडी ने वसई विरार शहर नगर निगम के पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार के आवास पर छापा मारा है। इससे शहर में काफी हलचल मच गई है। ईडी ने सुबह सात बजे से रात 1.30 बजे तक अनिल कुमार पवार के वसई स्थित उनके सरकारी आवास पर गहन पूछताछ की। हालांकि, जांच जारी रहने के दौरान ईडी अनिल कुमार पवार की बेटी और उनकी पत्नी को अलग-अलग वाहनों में ले गई है। पत्नी और बेटी को सुरक्षित गोपनीय स्थान पर रखा गया है। पूर्व कमिश्नर अनिल कुमार पवार बंगले में हैं और उनसे पूछताछ जारी है। आयुक्त रहते हुए उन पर कई आरोप लगाए गए थे। उनका करियर विवादास्पद रहा है। उन पर बड़ी मात्रा में अवैध और बेहिसाब संपत्ति इकट्ठा करने का आरोप है। जानकारी सामने आ रही है कि उन्होंने 250 से 200 भवनों को ऑफलाइन सीसी दे दी है। उन पर अपने स्थानांतरण के अंतिम दिन कई फाइलों को मंजूरी देने का भी आरोप है। इससे पहले 14 मई को ईडी ने नालासोपारा में 41

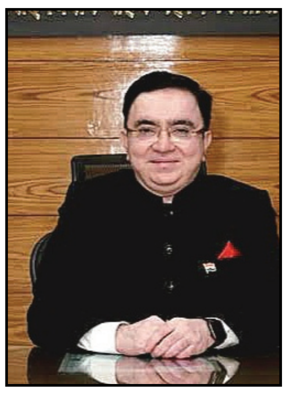

अनधिकृत इमारतों के मामले में नगर नियोजन विभाग के बर्खास्त उप निदेशक वाई एस रेड्डी के वसई विरार और हैदराबाद स्थित आवासों पर छापेमारी की थी। मूल्यवान आभूषणों और 11 करोड़ रुपये नकद सहित कुल 33 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती वस्तुएं जब्त की गईं। वहीं, इस मामले में शक की सुई तत्कालीन नगर आयुक्त अनिल कुमार पवार पर भी घूमी थी। अब ईडी ने उन पर छापा मारा है।

पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार द्वारा घोषित संपत्तिः-

1.नासिक जिले में कृषि भूमि और फार्म हाउस

स्थानः नासिक जिले के बगलान तालुका में सताना जलील खमताने गांव।

क्षेत्रफलः 0.41 हेक्टेयर और 0.45 हेक्टेयर भूमि, एक छोटा फार्म हाउस (400 वर्ग फीट)।

स्रोतः स्वयं के नाम से खरीदी गई।

2. बागलान (नासिक) में गैर-कृषि भूमि

गांवः आरई, तालुका बगलान।

कुल 3 प्लॉट प्लॉट 1ः 3,22,560 (सरकारी मूल्यांकन), बाजार मूल्य 60 लाख।

प्लॉट 2ः 1,44,000 (सरकारी मूल्यांकन), बाजार मूल्य 22 लाख।

प्लॉट 3ः बाजार मूल्य 45 लाख।

स्वर्गीय माता झ्र श्रीमती निर्मलाबाई खंडेराव पवार के नाम पर।

3. नासिक तालुका में गैर-कृषि भूखंड

ग्रामः पाथर्डी, प्लॉट नंबर 244/39.

क्षेत्रफलः 413.25 वर्ग मीटर

सरकारी मूल्यांकनः 1,42,900/-

बाजार मूल्यः 50 लाख.

संपत्ति के मूल मालिकः भतीजे तुषार विजय पवार।

स्थानांतरणः भतीजे ने इसे दादी निर्मलाबाई पवार को उपहार में दिया, बाद में उनकी इच्छानुसार इसे अनिलकुमार पवार को दे दिया। पुणे में फ्लैट (फ्लैट संख्या 402)

स्थानः डीएसके हरियाली मोदी बाग, शिवाजीनगर, पुणे।

क्षेत्रफलः 120 वर्ग मीटर + 60 वर्ग मीटर पार्किंग (कुल 180 वर्ग मीटर).

खरीद मूल्यः 77 लाख.

बाजार मूल्यः 1.94 करोड़.

संपत्ति का स्रोतः पोते द्वारा मां को दिया गया उपहार, फिर मां द्वारा अनिल कुमार को दिया गया।

5. सताना में दूसरा फ्लैट (फ्लैट संख्या 403)

क्षेत्रफलः 50 वर्ग मीटर + 45 वर्ग मीटर छत (कुल 95 वर्ग मीटर).

खरीद मूल्यः 28 लाख.

वर्तमान बाजार मूल्यः 30 लाख।

संपत्ति का नामः अरुण खंडेराव पवार (भाई)।

वितरण विधिः परिवार की सहमति से अनिल कुमार को उपहार।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. पुरातन कालीन शिव मंदिर में पूज्य बृजेशानंद महाराज के मार्गदर्शन में 11 से 21 अगस्त तक सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंगों का महाभिषेक किया जाएगा. इस अनुष्ठान के लिए आयोजन समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने यूबीटी के जिलाध्यक्ष धनंजय बोडारे, उद्योगपति संजय गुप्ता के साथ उद्धव ठाकरे से प्रत्यक्ष भेंट की तथा उन्हें धार्मिक आयोजन में एक दिन भेंट देने संबंधी निमंत्रण दिया. इस अवसर पर पूज्य बृजेशानंद महाराज भी उपस्थित थे.

अब नहीं होगी दोबारा गलती..., हिंदी-मराठी विवाद के बीच ग्राहक से बदसलूकी पर भड़की मनसे, कर्मचारी से मंगवाई माफी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई समेत महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी भाषा विवाद को लेकर उग्र मनसे कार्यकताओं ने गोरेगांव में हंगामा काटा। गोरेगांव में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस बात पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि गोरेगांव पूर्व स्थित बजाज फाइनेंस कार्यालय के एक कर्मचारी ने एक मराठी ग्राहक के साथ उसकी मां और बहन से बहस करते हुए उसके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। आरोप लगाया कि कर्मचारी ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ भी अपमानजनक बयान दिए। मनसे कार्यकताओं के हंगामे के साथ कर्मचारी ने माफी मांगी

दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा रेलखंड पर स्थापित हुआ कवच 4.0

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर। भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को उच्च घनत्व (हाई डेंसिटी) वाले दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा रेलखंड (पश्चिम मध्य रेल) पर स्थापित कर दिया गया है। यह देश में रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न दृष्टिकोण से प्रेरित होकर कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया है। कवच 4.0 एक अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली है। इसे जुलाई 2024 में फऊरड (रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन) द्वारा स्वीकृति दी गई थी। कई विकसित देशों को ऐसी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को विकसित और स्थापित करने में 20 से 30 वर्ष लग गए। कोटा-मथुरा रेलखंड पर कवच 4.0 बहुत कम समय में स्थापित किया गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। स्वतंत्रता के बाद 60 वर्षों तक देश में अंतरराष्ट्रीय मानकों की उन्नत ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों को स्थापित नहीं किया गया। अब कवच प्रणाली को हाल ही में चालू किया गया है, ताकि ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारतीय रेल अगले 6 वर्षों के भीतर देशभर के विभिन्न रेल मार्गों पर कवच 4.0 को स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। अब तक 30,000 से अधिक लोगों को कवच प्रणाली पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। कफकरएळ (भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान) ने अकउळए से मान्यता प्राप्त 17 इंजीनियरिंग कॉलेजों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता किया है, ताकि बी. टेक पाठ्यक्रम में कवच को शामिल किया जा सके। कवच से लोको पायलटों को मदद मिलेगीः ब्रेक प्रभावी रूप से लगाने में और कोहरे जैसी कम दृश्यता की स्थिति में सिग्नल देखने के लिए बाहर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें सारी जानकारी केबिन के अंदर लगे डैशबोर्ड पर दिखाई देगी।

क्या है कवच

कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसे ट्रेनों की गति की निगरानी और नियंत्रण करके दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसे सेफ्टी इंटिग्रिटी लेवल 4 (रकछ-4) पर डिजाइन किया गया है, जो सुरक्षा का सर्वोच्च स्तर है।

कवच का विकास 2015 में शुरू हुआ। इसे 3 वर्षों तक परीक्षण किया गया।

तकनीकी सुधारों के बाद इसे पहले दक्षिण मध्य रेलवे (रउफ) में स्थापित किया गया और 2018 में पहला संचालन प्रमाणपत्र मिला। रउफ में अनुभवों के आधार पर एक उन्नत संस्करण कवच 4.0 विकसित किया गया, जिसे मई 2025 में 160 किमी/घंटा तक की गति के लिए मंजूरी दी गई।

कवच के सभी उपकरण स्वदेशी रूप से निर्मित किए जा रहे हैं।

कवच की जटिलताः

कवच एक अत्यंत जटिल प्रणाली है। इसे कमीशन करना किसी टेलीकॉम कंपनी को खड़ा करने के समान है। इसमें निम्नलिखित उप-प्रणालियां शामिल हैंः

1. फत्र्कऊ टैग्सः प्रत्येक 1 किमी पर और प्रत्येक सिग्नल पर लगाए जाते हैं। ये ट्रेन की सटीक स्थिति बताते हैं।
2. टेलीकॉम टावर्सः हर कुछ किलोमीटर पर ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और पावर सप्लाई सहित टावर्स लगाए जाते हैं। लोको कवच और स्टेशन कवच लगातार इन टावर्स के जरिए संचार करते हैं।
3. लोको कवचः ट्रैक पर लगे फत्र्कऊ टैग्स से जानकारी प्राप्त करता है, उसे टेलीकॉम टावरों तक पहुंचाता है और स्टेशन कवच से रेडियो सूचना प्राप्त करता है। इसे लोको के ब्रेकिंग सिस्टम से भी जोड़ा गया है, ताकि आपात स्थिति में स्वतः ब्रेक लगे।
4. स्टेशन कवचः प्रत्येक स्टेशन और ब्लॉक सेक्शन पर लगाया जाता है। यह लोको कवच और सिग्नल प्रणाली से जानकारी लेकर सुरक्षित गति के लिए निर्देश देता है।
5. ऑप्टिकल फाइबर केबल (डत्र्ह्उ): पूरी प्रणाली को जोड़ने के लिए ट्रैक के साथ-साथ डत्र्ह्उ बिछाई जाती है, जिससे हाई-स्पीड डेटा कम्युनिकेशन संभव होता है।
6. सिग्नलिंग सिस्टमः इसे लोको कवच, स्टेशन कवच, टेलीकॉम टावर आदि से जोड़ा गया है।

इन सभी प्रणालियों को बिना किसी रेल संचालन में व्यवधान के भारी पैसेंजर और माल गाड़ियों की आवाजाही के दौरान स्थापित, जांच और प्रमाणित किया जाता है।

कवच की प्रगतिः

1. ऑप्टिकल फाइबर बिछाया गया- 5,856 ह्वे
2. दूरसंचार टावर स्थापित- 619
3. स्टेशनों पर कवच स्थापित- 708
4. लोको पर कवच स्थापित- 1,107
5. ट्रैकसाइड उपकरण स्थापित- 4,001 रूट किलोमीटर

भारतीय रेलवे हर साल सुरक्षा संबंधी गतिविधियों पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है। कवच ऐसी कई पहलों में से एक है जो ट्रेनों और यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई हैं। कवच की त्वरित प्रगति और तैनाती का स्तर रेलवे की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुलुंड कांग्रेस की ओर से जरूरतमंद लोगों को छाता वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,मुलुंड कांग्रेस की ओर से सेवक संस्था के सहयोग से संजय गाँधी नगर, बाबू जगजीवन रामनगर, डंपिंग रोड़, मुलुंड के रहिवासियो को छाता वितरित किया गया। कार्यक्रम मुक्तेश्वर महादेव मंदिर हॉल, मुलुंड में इस कार्यक्रम क्योजन अरविंद यादव और राकेश राघवन ने किया इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में चरणसिंह सप्रा (कार्याध्यक्ष मुंबई कांग्रेस), डॉ. बाबूलाल सिंह (वरिष्ठ कांग्रेस नेता),किशोर मुंडेकल (सचिव), भरत सोनी (प्रवक्ता), उत्तम गीते (कार्याध्यक्ष ई. मु. जिला), नीता जोशी (महिला अध्यक्ष), कांग्रेस नेता संतोष सोनावणे, हरीश गुप्ता, हीरालाल भणगे, कमल चन्दनशिवे, संतोष गांवकर,अतुल जोशी आदि उपस्थित रहे इस अवसर पर करीब 200 लोगों को अतिथियों द्वारा छाता वितरण किया गया

कानून से ऊपर कोई नहीं, इंदिरा गांधी-बाल ठाकरे पर एक्शन, फिर मोदी पर कार्रवाई क्यों नहीं? कांग्रेस ने चुनाव आयोग को घेरा

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार को आचार संहिता उल्लंघन के मामले को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था, लेकिन राज्य चुनाव आयोग उनके खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई करने से कतरा रहा है। आयोग ने आचार संहिता के उल्लंघन की बात स्वीकार की और रेलवे प्रशासन को केवल स्पष्टीकरण दिया

महाराष्ट्र में कांग्रेस ने खेला ओबीसी-महिला कार्ड, 13 जिला अध्यक्षों के साथ कार्यकारिणी का ऐलान

कांग्रेस ने महाराष्ट्र में संगठन को मजबूत बनाने के लिए एक साथ पूरी टीम का ऐलान कर दिया है। जो महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ हर्षवर्धन सपकाल के साथ मिलकर काम करेगी। कांग्रेस ने राज्य के 13 जिलों के प्रमुखों का भी ऐलान कर दिया है। पार्टी ने पीएसी में 36 नेताओं को जगह दी है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः कांग्रेस ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले प्रदेश कार्यकारिणी घोषित करने के बाद अब 13 जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। कांग्रेस पार्टी ने नवी मुंबई का जिला अध्यक्ष पूनम मिथुन पाटिल को बनाया है। जब नागपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी अश्विन दिलीप बैश्य को दी है। इससे पहले कांग्रेस ने प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की घोषणा की थी। मंगलवार को तिलक भवन में प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में सामंजस्य का ख्याल रखा गया है। इसमें 33 प्रतिशत वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं, जबकि 66 प्रतिशत नए चेहरों को अवसर दिया गया है।महाराष्ट्र कांग्रेस की टीम का ऐलानकांग्रेस ने महाराष्ट्र में नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद अब उपाध्यक्षों, महासचिव, सचिव, वरिष्ठ प्रवक्ताओं के साथ जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में स्थानीय निकाय के चुनाव होने की संभावना है।

दोस्त ने की दोस्त की हत्या

गौतम बुद्ध नगर, दादरी थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में एक युवक ने अपने दोस्त की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान बब्बल के रूप में हुई है।

पश्चिम रेलवे

वेब-आधारित निगरानी का प्रावधान

वरि. डीईई/पी/बीसीटी, पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : ईएल-81-901-डब्ल्यूए-79 (आर) दि. 28.07.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य एवं स्थान** : मुंबई मंडल – प्लेटफॉर्म्स, स्ट्रीट लाइटिंग सर्किट्स, लिफ्ट्स और एस्केलेटर्स पर 30%-70% लाइटिंग, पम्प्स के ऑटोमैशन सहित पम्प्स की वेब-आधारित निगरानी (आईओटी) और नियंत्रण का प्रावधान तथा आईआर-नियंत्रक पोर्टल (फेज-II) के साथ एकीकरण. **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 9,21,55,394.58. **बोली सुरक्षा का मूल्य** : ₹ 6,10,800/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 28.08.2025, 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय** : 28.08.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें.

0443

Like us on: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं जतन अधिनियम 1975 (जनवरी 2018 तक संशोधित अनुसार) की धारा 8 (3) (क) अंतर्गत प्रावधानों के अनुपालन में परिमंडल - VI में टी वार्ड से 01 प्रस्ताव, आदि मिलाकर वृक्षों की कटाई हेतु **कुल 01** प्रस्ताव को, उक्त अधिनियन की धारा (8) की उप-धारा (6) अंतर्गत मनपा आयुक्त, चेयरमैन, वृक्ष प्राधिकरण बीएमसी की मंजूरी प्राप्त हुई है.

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत वृक्षों की कटाई/पुनर्रोपण करने बाबत विस्तृत जानकारी बीएमसी की वेबसाइट - https://portal.mcgm.gov.in/ - About us Ward/Department Manuals/Gardens & Tree Authority 46 (T) अंतर्गत उपलब्ध हैं.

उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी का कार्यालय,
2री मंजिल, हम्बोल्ट पेंग्विन बिल्डिंग, वी.जे.बी. उद्यान एवं प्राणिसंग्रहालय, संत सावता माली मार्ग, भायखला (पूर्व), मुंबई–400 027
दूरभाष क्र. 23742162
ईमेल : sg.gardens@mcgm.gov.in

हस्ता./-
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

पीआरओ/1156/विज्ञा./2025-26

खिड़कियों के लिये जालियों और मच्छरदानियों का इस्तेमाल करें.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

अभिरूचि की अभिव्यक्ति का विज्ञापन

विषयः एफ/उत्तर वार्ड में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत श्रेणी 'डी' के रिक्त बहुउद्देशीय कर्मचारी पदों को स्वैच्छिक संगठन के माध्यम से संविदात्मक आधार पर भरने के संबंध में.

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एफ/उत्तर वार्ड की डिस्पेंसरी, कार्यालयों और शवदाहगृहों में श्रेणी 'डी' के रिक्त पदों को संविदात्मक आधार पर स्वैच्छिक संगठनों (बचत समूहों को छोड़कर) के माध्यम से भरने हेतु केवल वे संगठन आवेदन करें जिन्हें बृहन्मुंबई मनपा की डिस्पेंसरी, कार्यालयों और मनपा शवदाहगृहों में संविदात्मक आधार पर बहुउद्देशीय कर्मचारी उपलब्ध कराने का 1 वर्ष का अनुभव हो. इच्छुक संगठन जैसे कि भविष्य निधि राज्य और कर्मचारी बीमा योजना में पंजीकृत श्रमिक सहकारी संस्थाएं, सेवा सहकारी संस्थाएं, बेरोजगार सेवा सहकारी संस्थाएं, गैर-सरकारी संगठन (जिनका मुख्य उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराना हो) आदि से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं. पात्रता सूची तैयार करने और लॉटरी के माध्यम से चयन करने हेतु इन संगठनों से आवेदन आमंत्रित हैं.

आवेदन पत्र सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय, एफ/उत्तर वार्ड से 31/07/2025 से 07/08/2025 के बीच समय 10:30 से 15:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है.

इच्छुक संगठन अधिक जानकारी, आवेदन पत्र और शपथपत्र के लिए एफ/उत्तर वार्ड के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से संपर्क करें. संगठन के आवेदन की अंतिम तिथि 07/08/2025 समय 17:00 बजे तक है.

निर्धारित कार्यालय समय के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा.

हस्ता./-
चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी,
एफ/एन वार्ड

पीआरओ/1162/विज्ञा./2025-26

जैसे ही महसूस होने लगे बुखार की आंच, तत्काल करायें खून की जांच

राशन कार्ड व आवश्यक सरकारी प्रमाणपत्र के लिए मुंब्रा में शिविर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , जिल्हाधिकारी कार्यालय एवं राष्ट्रवादी काँग्रेस शरदचंद्र पवार पक्ष मुंब्रा-कलवा विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त तत्वधान में राशनकार्ड और विविध प्रकार के सरकारी प्रमाणपत्र बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में निःशुल्क राशन कार्ड व विविध प्रकार के प्रमाणपत्र बनाए जाएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी और राकांपा के कार्यकर्ता स्वयंसेवक के रूप उपस्थित रहेंगे। कलवा मुंब्रा राकांपा शरदचंद्र पवार पार्टी के अध्यक्ष शमीम खान ने बताया कि राकांपा के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्वमंत्री व विधायक डॉ जितेंद्र आव्हाड के जन्मदिन के अवसर पर सय्यद अली अशरफ भाईसाहब एवं पार्टी के सभी नगरसेवक ,नगरसेविका, पदाधिकारी, कार्यकताओं के सहयोग से जनता की सविधा के लिए 3-4-5 अगस्त को तीन दिवसीय मुफ्त प्रमाण पत्र, मुफ्त राशन कार्ड और ई केवायसी शिविर का आयोजन किया गया है।इसमें एक ही छत के नीचे आय प्रमाणपत्र, अधिवास प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक प्रमाणपत्र आदि आवश्यक सरकारी प्रमाणपत्र बनाया जाएगा। इसके लिए लगने वाले पहचान प्रमाण के लिए आधार कार्ड, पैनकार्ड, मतदाता पहचानपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, निवास प्रमाण के लिए राशनकार्ड, बिजली का बिल, पानी का बिल , निवास प्रमाण, बैंक पासबुक लाना होगा।इसी तरह आय प्रमाणपत्र के लिए पेमेंट स्लिप, आयकर रिटर्न की कॉपी, निजी रोजगार या व्यवसाय से होने वाली आय का प्रमाण, अभी की 2 पासपोर्ट साइज फोटो, 3 पड़ोसियों के आधार कार्ड की जेरॉक्स हस्ताक्षर युक्त लाना होगा।डोमिसाइल प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज में जन्मस्थान और जन्म प्रमाण या स्कूल का प्रमाण पत्र (जिसमें जन्म स्थान व जन्म तारीख दर्ज हो) आदि लाना होगा।

शिल-मुंब्रा-कलवा क्षेत्र में अनाधिकृत इमारतों को नहीं मिलेगा नया बिजली कनेक्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,शिल-मुंब्रा-कलवा क्षेत्र में अनाधिकृत निमार्णों को बिजली का नया कनेक्शन नहीं मिलेगा। वहीं मनपा की जांच के बाद अनाधिकृत निर्माण की सूची में आने वाली इमारतों के बिजली कनेक्शन कट सकते हैं। नागरिकों, संभावित उपभोक्ताओं, बिल्डरों एवं संपत्ति से जुड़े लोगों को इसके लिए सूचित किया जा रहा है।हाल ही में मुंबई उच्च न्यायालय ने एक मामले में एक विस्तृत आदेश जारी करते हुए ठाणे मनपा को कुछ अवैध इमारतों को गिराने की अनुमति दी।न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमित भूमि पर बिना अनुमति बनी ऐसी अनाधिकृत इमारतों को हटाना आवश्यक है। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और उच्च न्यायालय के निर्देशों की पुष्टि की।इन न्यायिक आदेशों के अंतर्गत, ठाणे मनपा आयुक्त ने पावर वितरकों—टोरेंट पावर तथा महावितरण को स्पष्ट निर्देश दिए हैं।जिसमें कहा गया है कि किसी भी अनाधिकृत, अवैध इमारत को नया बिजली कनेक्शन न दिया जाए।केवल उन्हीं इमारतों को बिजली कनेक्शन की अनुमति मिलेगी जिन्हें ठाणे मनपा के टाउन प्लानिंग विभाग वैध घोषित करता है। इन आदेशों का टोरेंट पावर उपभोक्ताओं पर प्रभाव पड़ने वाला है। जिन इमारतों को ठाणे मनपा द्वारा अवैध घोषित किया गया है, उनके लिए नई बिजली कनेक्शन की अर्जियाँ अस्वीकार की जाएंगी। यदि किसी अनाधिकृत इमारत को बिजली मिल रही है, तो वह आपूर्ति भी बंद की जा सकती है।यह कार्रवाई न्यायालय व ठाणे मनपा के निर्देशों के तहत कानूनी रूप से आवश्यक है और टोरेंट पावर इसके लिए बाध्य है। टोरेंट पावर स्वयं की पहल पर यह कार्रवाई नहीं कर रहा है। यह सभी निर्देश मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश तथा ठाणे मनपा के निर्देशों के अनुसार दिए गए हैं।टोरेंट पावर वैध व नियमों का पालन करने वाले नागरिकों से हुई असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है, परंतु यह दोहराता है कि कंपनी सिर्फ न्यायिक आदेशों का पालन कर रही है और उसके पास कोई विवेकाधिकार नहीं है।

फास्ट ट्रैक

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

मेरठ जाते समय ट्रेन से गिरा ,परिवार में अकेला कमाने वाला था

शाहजहांपुर, जनपद के मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है।काम की तलाश में मेरठ जा रहे 25 वर्षीय युवक आयुष की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। खुटार क्षेत्र निवासी आयुष अपने कुछ साथियों के साथ शाहजहांपुर से राजरानी एक्सप्रेस में सवार होकर मेरठ जा रहा था।जब ट्रेन बहगुल नदी पुल और हुलासनगरा स्टेशन के बीच पहुंची, तभी किसी

कारण से आयुष ट्रेन से नीचे गिर गया।गिरने के बाद अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।रेलवे ट्रैक के किनारे शव देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के पास से आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद कर उसकी पहचान की। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी।मृतक आयुष अविवाहित था और परिवार में अकेले कमाने की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी।जैसे ही परिजनों को घटना की जानकारी मिली, घर में कोहराम मच गया।मीरानपुर कटरा पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रॉली से कुचलकर कांवड़िए की मौत

पैर फिसलने से वाहन के नीचे आया, गंगाजल लेकर लौट रहा था

शाहजहांपुर, पुवायां में सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान एक हादसा हो गया। चलती ट्राली में चढ़ने की कोशिश कर रहे एक कांवड़िये का पैर फिसल गया। वह ट्राली के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान विजय कुमार (30) के रूप में हुई है। वह

ग्राम खेरेनावाद, थाना खुदागंज, शाहजहांपुर के रहने वाले थे।विजय बरेली के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में काम करते थे।जानकारी के अनुसार, विजय अपने गांव के मनोज कुमार के नेतृत्व में 60-70 कांवड़ियों के साथ फरुर्खाबाद से गंगाजल लेने गए थे।मंगलवार को सभी कांवड़िये जल भरकर बुधवार को गोला गोकरणनाथ में जलाभिषेक कर वापस लौट रहे थे।जब यात्रा पुवायां-निगोही मार्ग से गुजर रही थी, तभी चलती ट्राली पर चढ़ने के प्रयास में विजय का संतुलन बिगड़ गया।वह नीचे गिर पड़े और पीछे जुड़ी दूसरी ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।घायल विजय को पुवायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है।इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।विजय कुमार अपने पीछे पत्नी शिवानी, 6 वर्षीय बेटी दिव्यांशी और एक छोटे बेटे को छोड़ गए हैं।

प्रताप सरनाईक के कड़े रुख से एसटी निगम को होगी 12 करोड़ रुपये की बचत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,परिवहन मंत्री और एसटी निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक द्वारा दिखाए गए व्यावसायिक दृष्टिकोण और सही समय पर उठाए गए कड़े रुख के कारण एसटी निगम को हर साल 12 करोड़ रुपये की बचत होगी।1 अगस्त से इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम ने एसटी निगम को आपूर्ति किए जाने वाले डीजल ईंधन पर छूट दर में 30 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि करने का निर्णय लिया है।इससे प्रतिदिन औसतन 3 लाख 23 हजार रुपये की बचत होगी, जो लगभग 11 करोड़ 80 लाख रुपये प्रति वर्ष है।एसटी निगम 70 से अधिक वर्षों से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम से डीजल ईंधन खरीद रहा है।वर्तमान में, एसटी निगम को प्रतिदिन औसतन 10 करोड़ 78 लाख लीटर डीजल की आवश्यकता होती है। एसटी निगम इन कंपनियों का थोक खरीद ग्राहक है, इसलिए संबंधित कंपनियाँ निगम को प्रति लीटर छूट दे रही थीं।लेकिन एसटी निगम के बार-बार अनुरोध के बावजूद, इन कंपनियों ने कई वर्षों तक रियायती दर में कोई बदलाव नहीं किया। परिवहन मंत्री और एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक के लगातार अनुसरण के कारण संबंधित कंपनियों ने रियायत दर बढ़ाने का रुख अपनाया।इसके लिए, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंत्री सरनाईक की अध्यक्षता में मंत्रालय में तीन-चार बैठकें हुईं।डीजल ईंधन की आपूर्ति करने वाली अन्य निजी कंपनियों के साथ भी बातचीत की गई। इतना ही नहीं, प्रतिस्पर्धी आधार पर बोली लगाने की प्रक्रिया को लागू करने की तैयारी भी की गई। इन सबका नतीजा यह है कि संबंधित कंपनियों ने रियायत दर बढ़ाने के लिए अपनी तत्परता दिखाई है।तदनुसार, संबंधित कंपनियां 1 अगस्त से मूल रियायत दर में 30 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि करने पर सहमत हुई हैं।वर्तमान में, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम द्वारा एसटी के 251 डिपो में पेट्रोल पंपों की मदद से औसतन 10 करोड़ 78 लाख लीटर डीजल की आपूर्ति प्रतिदिन की जाती है। भविष्य में, बसों की बढ़ती संख्या के कारण डीजल ईंधन की खपत भी बढ़ेगी। इसलिए, 30 पैसे प्रति लीटर की अतिरिक्त छूट देने से एसटी महामंडल को सालाना अनुमानित 12 करोड़ रुपये की बचत होगी।

रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी

जगतपुर थाने में दी शिकायत, पुलिस ने जांच का दिया आश्वासन

रायबरेली, जगतपुर थाना क्षेत्र के साई गांव के निवासी सूरज बली शुक्ला ने बुधवार को कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जगतपुर थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि कुछ लोग लगातार उनका रास्ता रोकते हैं।वे उन्हें गालियां देते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। सूरज बली के अनुसार, वह इन हरकतों से मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं। उन्हें अपने जीवन की चिंता सताने लगी है।पीड़ित ने बताया कि जब वह कहीं आने-जाने का प्रयास करते हैं, तो आरोपी उनका रास्ता रोक लेते हैं।वे अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे उनका घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। सूरज बली ने थाने में दिए प्रार्थना पत्र के माध्यम से न्याय की गुहार लगाई है।उन्होंने आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।इस मामले पर जगतपुर थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हो गया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जाएगी।

प्रदीप पाटिल बने एक बार पुनः अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यालय तिलक भवन में आयोजित चयन समिति की बैठक में ठाणे ग्रामीण जिले के अंतर्गत अंबरनाथ ब्लॉक के लिए ब्लॉक अध्यक्ष पद पर प्रदीप पाटिल को पुनः नियुक्त किया गया।प्रदीप पाटिल को बुधवार 30 जुलाई को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट गणेश पाटिल द्वारा हस्तगत लेटर प्रदान किया गया।लेटर में बताया गया है कि आगामी पंद्रह दिन में अपनी कार्यकारिणी गठित करके जिलाध्यक्ष कार्यालय में प्रस्तुत करने और पार्टी के प्रचार प्रसार का कार्य करने का आदेश दिया गया है। अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष प्रदीप पाटिल ने अपनी पुनर्नियुक्ति पर कांग्रेस केंद्रीय समिति और प्रदेश समिति को आभार व्यक्त किया।उन्होंने आगे कहा कि ब्लॉक कांग्रेस की सभी अनुषंगी संगठनों, प्रभागों के साथ मिलकर एक नई ऊर्जा के साथ कांग्रेस के उत्थान के लिए कार्य किया जाएगा। अंबरनाथ शहर में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पूर्व की भांति ही एक बार फिर हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ी जाएगी और कांग्रेस की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।ब्लॉक कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से प्रदीप पाटिल के नियुक्त होने से उनके समर्थकों,पार्टी कार्यकताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। पार्टी कार्यकताओं ने आतिशबाजी कर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशियों का इजहार किया।अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष आरिफ असगर काजी, ट्रस्टी पूर्व नगरसेवक बिस्मिल्लाह शेख,रोटरेक्ट आदिल खालिद काजी आदि ने भी प्रदीप पाटिल को अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष बनने पर मुबारकबाद पेश की।

छात्रवृत्ति की तैयारी विषय पर शिक्षकों की कार्यशाला में दिए मार्गदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , रईस हाई स्कूल में आइडियल एजुकेशनल मूवमेंट मुंबई और रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज भिवंडी द्वारा संयुक्त रुप से"छात्रवृत्ति की तैयारी कैसे करवायें विषय पर शिक्षकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रवृत्ति की तैयारी कराने वाले शिक्षकों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देना तथा शिक्षकों को छात्रवृत्ति शिक्षण की बारीकियों से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत पवित्र कुरान के पाठ से हुई।अतिथियों का परिचय सहित पुष्पगुच्छ से स्वागत करने तथा आइडियल एजुकेशनल मूवमेंट का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करने बाद कार्यशाला के संरक्षक रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी ने छात्रवृत्ति के महत्व और वर्तमान में इसकी आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए।केएमई सोसायटी के सचिव दानियाल काजी ने छात्रवृत्ति की तैयारी कराने वाले अध्यापकों के लिए कार्यशाला के आयोजन पर आयोजक मंडल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षकों को बहुमूल्य सलाह भी दिये। पहले सत्र के रिसोर्स पर्सन गणितज्ञ वसीम अब्दुल सत्तार ने शिक्षकों को समय की पाबंदी के साथ गणित के पेपर को हल करने के तरीके पर छात्रवृत्ति अभ्यास प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों को आश्वस्त करने का प्रयास किया कि समय की पाबंदी के साथ गणित का प्रश्नपत्र कैसे हल किया जाए।उन्होंने सरल तकनीकों और विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से गणित के शिक्षण को व्यापक रूप से कवर किया।दूसरे सत्र में मानसिक परीक्षण के विशेषज्ञ शिक्षक आरिफ मेहमतुले ने बच्चों में रचनात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ाने और उनमें छिपी हुई प्रतिभा को जगाने के लिए कैसे प्रोत्साहित करें विषय पर उदाहरण के माध्यम से विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने सभी विषयों को एकीकृत करके बच्चे की वैश्विक सोच को विकसित करने पर जोर दिया।साथ ही उन्होंने अपनी बात को व्यावहारिक रूप से समझाने के लिए गतिविधि के माध्यम से एक पाठ प्रस्तुत किया।कार्यशाला अपने उद्देश्यों में सफल रही।कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षकों ने गंभीरता के साथ विशेषज्ञों के व्याख्यान में सक्रिय रूप से भाग लिया।इस अवसर पर सीआरसी नसीर शेख और स्कूल नंबर 80 के मुख्यध्यापक इरफान बेलदार ने कार्यशाला में भाग लिया और आयोजकों का मनोबल बढ़ाया।कार्यशाला के सफल आयोजन में अंसारी मोहम्मद आसिफ और शेख तारिक का विशेष योगदान रहा।

सरकारी स्कूल के गेट पर बंधी मिलीं बकरियां

एडीएम ने ग्रामीण को लगाई फटकार , दो साल से अनुपस्थित शिक्षामित्र की सेवा समाप्त करने के दिए निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, शिक्षा व्यवस्था को सुधारने और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से एडीएम (एफआर) अरविंद कुमार ने बुधवार को ददरौल ब्लॉक के शाहबाजनगर प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।निरीक्षण के दौरान विद्यालय के मुख्य द्वार पर एक ग्रामीण द्वारा कई बकरियों को बांधा गया पाया गया। एडीएम ने तत्काल विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों से इस पर स्पष्टीकरण मांगा। शिक्षकों ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को कई बार समझाने के बावजूद वह नहीं मान रहा। एडीएम ने ग्रामीण को मौके पर बुलाकर कड़ी फटकार लगाई और बकरियां हटवाने के साथ दोबारा ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। विद्यालय में उपस्थिति पंजिका की जांच के दौरान पाया गया कि शिक्षामित्र मनजीत कौर पिछले दो वर्षों से विद्यालय नहीं आ रही हैं। इस पर एडीएम ने उनकी सेवा समाप्ति के निर्देश दिए। वहीं दूसरी अनुपस्थित शिक्षामित्र अनुपम वर्मा से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इसके पश्चात एडीएम ने उच्च प्राथमिक विद्यालय निवाड़ी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय घुसगवां और प्राथमिक विद्यालय घुसगवां का भी निरीक्षण किया। जहां पर मिड-डे मील की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी किताबें भी चेक कीं।घुसगवां गांव में निरीक्षण के दौरान बड़ी मात्रा में गंदगी पाई गई। जांच में सामने आया कि यहां तैनात दो सफाईकर्मी पिछले तीन महीनों से ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। एडीएम ने सफाईकर्मी नन्हे को तत्काल सस्पेंड कर दिया, जबकि दूसरा सफाईकर्मी मेडिकल लीव पर है।उनके मेडिकल दस्तावेजों की जांच के निर्देश दिए गए हैं।एडीएम अरविंद कुमार ने कहा कि शिक्षा और स्वच्छता से जुड़ी लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाइक की टक्कर से कांवड़िए की मौत

फरुर्खाबाद से जल लेकर गोला जा रहा था, कपड़ों में मिले कागज से पहचान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक दुखद घटना में बाइक की टक्कर से कांवड़िए की मौत हो गई।मृतक की पहचान 30 वर्षीय गौरव कुमार के रूप में हुई है।गौरव थाना सदर बाजार क्षेत्र के दिलाजाक आर्यनगर के निवासी थे।गौरव कांवड़ यात्रा पर निकले थे।वह पहले पैदल फरुर्खाबाद गए और वहां से पवित्र जल लेकर गोला स्थित मंदिर में चढ़ाने जा रहे थे।रोजा थाना क्षेत्र के भावलखेड़ा के पास पहुंचने पर एक तेज रफ्तार

बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में गौरव गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल गौरव को तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मृतक के कपड़ों से मिले कागजों से उनकी पहचान की और परिवार को सूचना दी।खबर मिलते ही रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है।

पर्यावरण संवर्धन और जलवायु परिवर्तन सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, सभी घटकों की भागीदारी जरूरी : वाय एल खान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र), पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी सिर्फ सरकारों की ही नहीं है। इसमें स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज के प्रत्येक घटक का सहभाग जरूरी है।स्वस्थ्य जीवन के लिए शुद्ध हवा व स्वस्थ्य पर्यावरण की जरूरत होती है।इस आशय का बयान अमन फाउंडेशन के अध्यक्ष वाय एल खान ने दिया है। लालगंज तहसील के पूरे मौजम देल्हूपुर में अमन फाउंडेशन की ओर शुरू वृक्षारोपण अभियान के दौरान उन्होंने यह बात कहा है।इस समय शाहिद खान, नईम खान, अरफाज खान आदि की उपस्थिति में एक पेड़ दशहरी , एक पेड़ चौसा आम और तीन पेड़ सहिजन के लगए गए। फाउंडेशन के अध्यक्ष खान ने कहा कि सरकारें वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए जनजागरण कर रही हैं।पर्यावरण संवर्धन, संरक्षण और जलवायु परिवर्तन में जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारों को अधिक प्रभावी योजना शुरू करना चाहिए। बागवानी के लिए लोगों को आकर्षित करने और इसे रोजगार से जोड़ने की जरूरत है।पहले पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन का दंश शहरों में रहने वालों को दिखाई देता था।अब देश के ग्रामीण क्षेत्रों में खराब होते पर्यावरण से कभी भीषण गर्मी, ठंडी और अनियमित बारिश का दंश झेलना पड़ रहा है। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन को रोकने में यदि हम विफल रहे तो हमें शुद्ध हवा और शुद्ध पानी कैसे मिलेगा। गत वर्षों में कोविड कल में हमने देखा कि ऑक्सीजन की कमी से लोगों की बड़ी संख्या में मृत्यु हो रही थी। तब हमें पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से होने वाली समस्याओं का पता चला। स्वस्थ्य जीवन को शुद्ध हवा और शुद्ध पानी चाहिए, यह शुद्ध पर्यावरण से ही संभव है। देश में बहुत बड़ी सरकारी जमीनें खाली पड़ी हैं।इसी तरह खुले जानवरों से फसलों की सुरक्षा और खेती अधिक खचीर्ली होने के चलते किसानों की बहुत जमीनें खाली पड़ी रहती हैं।ऐसी जमीनों पर फल और कीमती लकड़ी के पेड़ लगाकर फल और लकड़ी से अच्छी आय के साथ उसकी जरूरत भी पूरी की जा सकती है।पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए निरूपयोगी होने वाले पेड़ों को हटाने और नए पेड़ लगाने का किसानों को अवसर मिलना चाहिए। हम किसानों एवं ग्रामीणों से आवाहन करते हैं कि वे फल और लकड़ी को अपनी आवश्यकता का साधन और अपना रोजगार बनाने के लिए आगे आएं।

डीएम पवन गंगवार ने किया विंध्याचल में दर्शन

कार्यभार संभालने के बाद कहा- विंध्य कॉरिडोर का काम पूरा करना प्राथमिकता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, नवनियुक्त जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मां विंध्यवासिनी के दर्शन कर अपना कार्यभार संभाला। उन्होंने सबसे पहले माता विंध्यवासिनी का आशीर्वाद लिया और फिर कोषागार कार्यालय पहुंचे।जिलाधिकारी गंगवार ने निवर्तमान जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन से मुलाकात की और उनसे कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद वे कलेक्ट्रेट पहुंचे।मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया। पवन गंगवार ने कहा कि मां विंध्यवासिनी की धरती पर चल रहे विंध्य कॉरिडोर के शेष कार्यों को पूरा करवाना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है। साथ ही विकास कार्यों में लगी कार्यदायी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना भी उनके एजेंडे में शामिल है।उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाना एक जनसेवक की जिम्मेदारी है।गंगवार ने आश्वासन दिया कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,

2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ

3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)

4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी

5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा

6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

खैबर पख्तूनख्वा में पाक सेना का बर्बर चेहरा

निहत्थे पश्तूनों पर गोलीबारी, 7 की मौत

एजेंसी

पाकिस्तानी सेना ने खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी में पश्तून प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें सात पश्तून मारे गए और बीस से ज्यादा घायल हो गए। प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सेना की मोर्टार फायरिंग में मारे गए एक बच्चे की मौत के विरोध में तिराह घाटी में इकट्ठा हुए थे। जवाबी कार्रवाई में, सैनिकों ने निहत्थे पश्तून प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रांतीय सरकारी अधिकारी के अनुसार, क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियानों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी के मोहमंद गोज इलाके में गोली चलाई गई। केपी कम्युनिकेशंस एंड वर्क्स के विशेष सहायक सोहेल अफरीदी ने एक दिन पहले हुई एक घटना का ज़िक्र किया, जब एक मोर्टार शेल एक घर पर गिरा, जिससे एक बच्ची की मौत हो गई,

जिसके बाद निवासियों ने फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जैसा कि डॉन ने बताया। उन्होंने कहा कि निराश स्थानीय लोग परिसर के द्वार पर इकट्ठा हो गए और जब भीड़ उस इलाके में पहुँची तो गोलियाँ चलने लगीं। उन्होंने पुष्टि की कि इस घटना के परिणामस्वरूप लोगों की मौत और घायल होने की खबरें हैं। पीटीएम खैबर ने पाकिस्तानी सेना द्वारा नागरिकों के विरुद्ध जारी हिंसा पर गहरा दुःख और रोष व्यक्त किया और खैबर तिराह और बाजौर में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की निंदा की। अपने एक्स पोस्ट में, संगठन ने बताया कि सैन्य अभियानों और कर्फ्यू की आड़ में निहत्थे नागरिकों पर, जिनमें एक मृत बच्चे के लिए शोक मना रहे लोग भी शामिल हैं, हमला किया गया। अपने बयान के अनुसार, पीटीएम खैबर ने जीने के अधिकार के शांतिपूर्ण आह्वान पर राज्य की आक्रामक प्रतिक्रिया पर सवाल उठाया। पश्तून कार्यकर्ता फजल-उर-रहमान अफरीदी ने बाजौर और खैबर पख़्तूनख्वा के अन्य इलाकों में पाकिस्तानी सेना द्वारा लगातार किए जा रहे सैन्य अभियानों की निंदा की और उन्हें पश्तून नागरिकों पर क्रूर और लक्षित हमले करार दिया। उन्होंने पंजाबियों के वर्चस्व वाली सेना पर हिंसा बढ़ाने के लिए सुरक्षा चिंताओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कथित युद्ध के दौरान हुए अत्याचारों का हवाला दिया, जिनमें 80,000 से ज्यादा पश्तून मारे गए और उनके घर, व्यवसाय और आजीविकाएँ तबाह हो गईं।

> “ खैबर पख़्तूनख़्वा की तिराह घाटी में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में 7 पश्तून प्रदर्शनकारियों की मौत और 20 से ज्यादा घायल हो गए। ये प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सेना की मोर्टार फायरिंग से एक बच्चे की मौत के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, जिन पर निहत्थे होने के बावजूद अंधाधुंध गोलियां चलाई गई। इस घटना ने #पश्तून मानवाधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

ट्रम्प ने भारत पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया

कहा- भारत रूस से हथियार-तेल खरीद रहा, इसलिए जुमार्ना भी वसूलेंगे; 1 अगस्त से लागू

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुमार्ना भी लगाएंगे। ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं। भारत, अमेरिका का दोस्त है, लेकिन पिछले कुछ सालों में अमेरिका ने उसके साथ कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं।

दरअसल, भारत की कई नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी कंपनियों को व्यापार करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। भारत आज भी अपने ज्यादातर हथियार रूस से खरीदता है। इतना ही नहीं, चीन के साथ मिलकर भारत, रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस भी खरीदता है, जबकि पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हिंसा रोके। इन सब वजहों से अब अमेरिका ने फैसला किया है कि भारत से आने वाले सामानों पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा पेनल्टी भी लगाई जाएगी। दोनों देशों के बीच सबकुछ सही नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 17 जुलाई को कहा था कि जल्द ही अमेरिकी उत्पादों को भारत के बाजारों में पहुंच मिलने वाली है। इंडोनेशिया फॉमूर्ले के तरह अमेरिकी उत्पादों पर भारत में भी जीरो टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने कहा था- हमने कई देशों के साथ समझौते किए हैं। हमारा एक और समझौता होने वाला है, शायद भारत के साथ। हम बातचीत कर रहे हैं। जब मैं लेटर भेजूंगा तो वो समझौता हो जाएगा। ट्रम्प ने 15 जुलाई को इंडोनेशिया पर 19% टैरिफ लगाया था। 1 अगस्त से इंडोनेशिया से अमेरिका जाने वाले सामानों पर 19% टैरिफ लगेगा।

वहीं, अमेरिकी सामानों पर इंडोनेशिया में कोई टैरिफ नहीं लगेगा। बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट (बीटीए) को लेकर छठे राउंड की चर्चा के लिए अमेरिकी अधिकारी 25 अगस्त को भारत आएंगे।

दोनों देश सितंबर-अक्टूबर तक ट्रेड एग्रीमेंट्स का पहला चरण पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही एक अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट की संभावना भी तलाशी जा रही है।

पूर्व कनाडाई पीएम ट्रूडो सिंगर केटी पेरी के साथ दिखे

सीक्रेट डिनर का वीडियो लीक, डेटिंग की अटकलें तेज

एजेंसी

मॉन्ट्रियल, अमेरिका की मशहूर पॉप स्टार कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को हाल ही में एकसाथ डिनर करते देखा गया। टीएमजेड की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की मुलाकात 28 जुलाई 2025 की रात मॉन्ट्रियल के ले वायलोन रेस्त्रां में हुई। इस मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कैटी पेरी और ट्रूडो एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठे बातचीत करते दिख रहे हैं। दोनों को साथ देखकर लोगों में उनके बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गई हैं। यह डिनर एक प्राइवेट डेट जैसा लग रहा था, लेकिन दोनों अकेले नहीं थे। उनके साथ कई सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे जो उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सुरक्षाकर्मी पास की सीटों पर बैठे थे और शीशे की दीवार के जरिए निगरानी कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक पैरी और ट्रूडो ने रेस्त्रां में कई डिशेज लीं। इनमें लॉबस्टर भी शामिल था, लेकिन दोनों ने कोई एल्कोहॉलिक ड्रिंक नहीं ली। डिनर के बाद रेस्त्रां के हेड शेफ खुद दोनों से मिलने आए और उनका स्वागत किया। खाना खत्म होने के बाद, पैरी और ट्रूडो दोनों ने किचन जाकर स्टाफ को पर्सनली थैंक्स कहा। रेस्त्रां में मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों काफी दोस्ताना थे और उनके बीच काफी देर तक बातचीत होती रही। वे रेस्त्रां के एक शांत कोने में बैठे थे और साथ में ड्रिंक और लॉबस्टर डिश का लुफ्त उठा रहे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, कैटी पेरी बातचीत में काफी

दिलचस्पी दिखा रही थीं। पैरी इन दिनों अपने नए एल्बम 143 के प्रमोशन के लिए कनाडा टूर पर हैं। उन्होंने हाल ही में विनिपेग में परफॉर्म किया और अगला शो ओटावा में होगा। वहीं, ट्रूडो जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से ज्यादा लाइमलाइट में नहीं रहे हैं। 2023 में उन्होंने अपनी पत्नी सोफी से 18 साल पुरानी शादी खत्म कर दी थी। दिलचस्प बात ये है कि कैटी पेरी का इस साल की शुरूआत में एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम से भी ब्रेकअप हुआ था। दोनों की एक बेटी है और वे अभी भी अच्छे रिश्तों में हैं और मिलकर उसकी परवरिश कर रहे हैं। हालांकि कुछ लोगों को लग रहा है कि ये डिनर किसी नए रिश्ते की शुरूआत हो सकती है, लेकिन दोनों की तरफ से अब तक इस बारे में कोई बयान नहीं आया है। कैटी पेरी और एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम का रिश्ता 2016 में गोल्डन ग्लोब्स की एक आफ्टर पार्टी में शुरू हुआ था। दोनों के बीच जल्द ही नजदीकियां बढ़ीं और यह रिश्ता मीडिया की सुर्खियों में आ गया। 2017 में उनका कुछ समय के लिए ब्रेकअप हुआ, लेकिन 2018 में उन्होंने फिर से एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। इसके बाद 2019 में वेलेंटाइन्स डे के मौके पर दोनों ने सगाई कर ली। इसके बाद साल 2020 में दोनों की एक बेटी हुई। हालांकि, अब तक उन्होंने कभी शादी नहीं की। जुलाई 2025 की शुरूआत पैरी और ब्लूम ने अपने ब्रेकअप की आधिकारिक घोषणा की है। एक साझा बयान में कहा गया कि वे अब एक रोमांटिक रिश्ते में नहीं हैं, लेकिन अपनी बेटी डेजी की मिलकर देखभाल करेंगे। कैटी पेरी की पहली शादी 2010 में ब्रिटिश कॉमेडियन रसेल ब्रांड से हुई थी, जो एक पारंपरिक हिंदू समारोह में राजस्थान, भारत के रणथंभौर टाइगर सेंचुरी के पास हुई। उनकी शादी 14 महीने बाद 2011 में खत्म हो गई थी। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 28 मई 2005 को सोफी ग्रेगोएर ट्रूडो से शादी की थी।

सऊदी अरब में विदेशी नागरिक भी प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे

मक्का-मदीना में मनाही रहेगी; ऑयल पर निर्भरता कम करना मकसद

एजेंसी

रियाद, सऊदी अरब की सरकार ने विदेशी नागरिकों और कंपनियों के लिए अपने रियल एस्टेट मार्केट को खोलने का फैसला किया है। नया कानून जनवरी 2026 से लागू होगा। इसके तहत विदेशी इन्वेस्टर्स रियाद, जेद्दा और अन्य इलाकों में प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे। यह कदम सऊदी अरब के विजन 2030 का हिस्सा है, जिसका मकसद ऑयल पर निर्भरता कम करना और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है। सऊदी कैबिनेट ने हाल ही में इस नए कानून को मंजूरी दी

है, जिसे हाउसिंग मिनिस्टर माजिद बिन अब्दुल्लाह ने रियल एस्टेट सुधारों का अगला कदम बताया। उन्होंने कहा- यह कानून रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाएगा और सऊदी शहरों को ग्लोबल इन्वेस्टर सेंटर बनाएगा। हालांकि, मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहरों में प्रॉपर्टी खरीद पर प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि इनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन शहरों में सिर्फ मुस्लिम ही खास शर्तों के साथ संपत्ति खरीद सकते हैं। विदेशी निवेशक सऊदी स्टॉक एक्सचेंज (तदावुल) पर लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनियों में 49% तक शेयर खरीद सकते हैं, जो मक्का और मदीना में प्रोजेक्ट्स डेवलप करती है। रियल एस्टेट जनरल अथॉरिटी 180 दिनों के भीतर उन इलाकों और नियमों की लिस्ट जारी करेगी, जहां विदेशी प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। यह सुधार हज और उमराह जैसे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और 2030 तक 30 बिलियन डॉलर की इनकम के टारगेट को सपोर्ट करेंगे। सऊदी अरब का 'विजन 2030' सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे 2016 में शुरू किया गया था। इसका मकसद सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना और देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर मजबूत बनाना है। विजन 2030 के तहत ही एमबीएस वीरान रेगिस्तान में निओम नाम का एक नया शहर बसाना चाहते हैं। प्रोजेक्ट के तहत 'द लाइन' नाम का एक शहर बसाया जाएगा।

चमोली में बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर सेना के जवानों की बस पलटी, कई जवान घायल

एजेंसी

जोशीमठ से रायवाला जा रहे थे सेना के जवान, सोनल के पास बदरीनाथ हाईवे पर बस अनियंत्रित होकर पलट गई

चमोलीः उत्तराखंड के चमोली जिले में हादसा हुआ है. बदरीनाथ हाईवे पर आर्मी के जवानों को ले जा रही बस पलट गई. इस दुर्घटना में जवानों को हल्की चोटें आई हैं. सभी जवान सुरक्षित हैं. ये बस हादसा सोनल के समीप हुआ है. चमोली में सेना के जवानों की बस पलटीः बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर सुबह-सुबह आर्मी के जवानों को लेकर जा रही एक बस अनियंत्रित हो गई. देखते ही देखते बस सड़क पर पलट गई. चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस को पहाड़ी की तरफ मोड़ दिया. नहीं तो ये हादसा बड़ा रूप ले सकता था. पहाड़ी के दूसरी तरफ गहरी खाई थी. बताया जा रहा है कि ये जवान बस से जोशीमठ से रायवाला जा रहे थे. सैनिकों को ले जा रही बस पलटी कुछ जवानों को आई चोटः जोशीमठ से चली सेना के जवानों की बस अभी सोनल के पास ही पहुंची थी कि तभी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. इस हादसे में कुछ जवानों को हल्की चोटें आई हैं. बस पलटने की सूचना वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी. पुलिस प्रशासन की मौके पर पहुंची. पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय लोगों की मदद से सभी जवानों को बस से सुरक्षित बहर निकाला गया. जिन जवानों को चोट लगी है उनको 108 आपातकालीन सेवा एंबुलेंस के माध्यम से उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग भेजा गया है. वहां पर फिलहाल सभी चोटिल जवानों का उपचार चल रहा है. रिस्की हैं ये सड़क मार्गः गौरतलब है कि चमोली उत्तराखंड की पूर्ण रूप से पहाड़ी जिला है. यहां की सड़कों पर एक तरफ पहाड़ हैं तो दूसरी तरफ नदी और खाई हैं. ऐसे में यहां वाहन चलाना बहुत चुनौतीपूर्ण काम है. इन दिनों बारिश हो रही है तो ऐसे में लैंडस्लाइड की घटनाएं भी यहां खूब हो रही हैं. ऐसे में सड़क हादसों का खतरा और भी बढ़ रहा है. अल्मोड़ा जिले में भी हादसाः आज सुबह अल्मोड़ा जनपद के भतरोंजखान थाना क्षेत्र में भी हादसा हुआ है. एक एर्टिका कार जो दिल्ली से देघाट की ओर जा रही थी, वो ग्राम पनुवाडोखन के पास अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई. हादसा गोदी क्षेत्र थाना भतरोंजखान के अंतर्गत हुआ. कार में दो लोग सवार थे.

नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी से क्या मिला? :कांग्रेस

अमेरिका के भारत पर 25% टैरिफ लगाने पर बोला विपक्ष

> जयराम रमेश ने कहा कि श्री मोदी ने सोचा था कि यदि वे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानों पर चुप रहेंगे - ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के 30 दावे, पाकिस्तान के सेना प्रमुख के लिए विशेष भोज, जिनकी भड़काऊ टिप्पणियों ने क्रूर पहलगाम आतंकवादी हमलों की तत्काल पृष्ठभूमि प्रदान की, और आईएमएफ और विश्व बैंक से पाकिस्तान को वित्तीय पैकेजों के लिए अमेरिकी समर्थन तो भारत को राष्ट्रपति ट्रम्प के हाथों विशेष उपचार मिलेगा। स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं हुआ है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। रमेश ने दोनों नेताओं के बीच की गर्मजोशी का मजाक उड़ाते हुए हाउडी मोदी कार्यक्रम और अन्य सौहार्दपूर्ण पलों का हवाला देते हुए कहा कि उनके और हाउडी मोदी के बीच की सारी प्रशंसा का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने ट्रंप द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के बार-बार किए गए दावों की ओर इशारा किया। यह एक हाई-प्रोफाइल अमेरिका-पाकिस्तान लंच था जिसमें पहलगाम आतंकी हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख भी शामिल हुए थे। इसके अलावा, उन्होंने पाकिस्तान को आईएमएफ और विश्व बैंक के वित्तीय पैकेजों के लिए वाशिंगटन के निरंतर समर्थन का भी हवाला दिया। रमेश ने कहा कि इन घटनाक्रमों के बावजूद, मोदी ने चुप्पी साधे रखी - ऐसे कूटनीतिक पुरस्कारों की उम्मीद की जो कभी नहीं मिले।

जयराम रमेश ने कहा कि श्री मोदी ने सोचा था कि यदि वे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानों पर चुप रहेंगे - ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के 30 दावे, पाकिस्तान के सेना प्रमुख के लिए विशेष भोज, जिनकी भड़काऊ टिप्पणियों ने क्रूर पहलगाम आतंकवादी हमलों की तत्काल पृष्ठभूमि प्रदान की, और आईएमएफ और विश्व बैंक से पाकिस्तान को वित्तीय पैकेजों के लिए अमेरिकी समर्थन तो भारत को राष्ट्रपति ट्रम्प के हाथों विशेष उपचार मिलेगा। स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं हुआ है। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया है। अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि याद रखें, भारत हमारा मित्र तो है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने उसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं

सीबीआई , यूपी सरकार और पीड़ित परिवारों की अपील खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने निठारी हत्याकांड के आरोपियों को बरी किया

> पीठ ने कहा कि पुलिस द्वारा अभियुक्तों का बयान दर्ज किए बिना की गई कोई भी बरामदगी साक्ष्य कानून के तहत साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने कहा कि केवल उन्हीं बरामदियों को, जो केवल अभियुक्तों की पहुँच में हों, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित मामले में साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड मामले में आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने के खिलाफ दायर 14 अपीलों को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि कोली को बरी करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले में कोई विकृति नहीं थी। साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 का हवाला देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि खुले नाले से पीड़ितों की खोपड़ियां और अन्य सामान बरामद करना पुलिस के समक्ष कोली के बयान के बाद नहीं किया गया था। पीठ ने कहा कि पुलिस द्वारा अभियुक्तों का बयान दर्ज किए बिना की गई कोई भी बरामदगी साक्ष्य कानून के तहत साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने कहा कि केवल उन्हीं बरामदियों को, जो केवल अभियुक्तों की पहुँच में हों, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित मामले में साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। शीर्ष अदालत पिछले साल सीबीआई और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दायर याचिकाओं सहित अलग-अलग याचिकाओं पर विचार करने के लिए सहमत हुई थी

नेहरू की गलतियों को मोदी सरकार ने सुधारा :विदेश मंत्री जयशंकर

> सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने पर जयशंकर ने कहा खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में किसी भी ऐसे समझौते के बारे में नहीं सोच सकता जहाँ किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों को उस नदी पर अधिकार के बिना दूसरे देश में प्रवाहित करने की अनुमति दी हो।

राज्यसभा में बोले विदेश मंत्री जयशंकर, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि पहलगाम हमला पूरी तरह अस्वीकार्य, लक्ष्मण रेखा लांघी गई। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दोषियों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक था। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए जयशंकर ने कहा कि मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलके सुन ले। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक भी फोन कॉल राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में नहीं हुआ। सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने पर जयशंकर ने कहा खून और पानी एक साथ नहीं

बह सकते। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में किसी भी ऐसे समझौते के बारे में नहीं सोच सकता जहाँ किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों को उस नदी पर अधिकार के बिना दूसरे देश में प्रवाहित करने की अनुमति दी हो। इसलिए यह एक असाधारण समझौता था और, जब हमने इसे स्थगित कर दिया है, तो इस घटना के इतिहास को याद करना जरूरी है। कल मैंने लोगों को सुना, कुछ लोग इतिहास से असहज हैं। वे ऐतिहासिक बातों को भुला देना पसंद करते हैं। शायद यह उन्हें शोभा नहीं देता, वे केवल कुछ बातों को याद रखना पसंद करते हैं। एस जयशंकर ने साफ तौर पर कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं कर देता... खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। मोदी सरकार ने सिंधु जल संधि निलंबित कर नेहरू की नीतियों की गलतियों को सुधारा। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हम आतंकवाद को वैश्विक एजेंडे पर रखने में सफल रहे हैं... चाहे वह ब्रिक्स हो, एससीओ हो, क्वाड हो या द्विपक्षीय स्तर पर हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा, जो 26 साल से वांछित था, आखिरकार मोदी सरकार द्वारा वापस लाया गया और आज इस देश में मुकदमों का सामना कर रहा है।

संक्षेप

समस्याओं को लेकर किसानों का प्रदर्शन

किसान मोर्चा ने एसडीएम ऑफिस का किया घेराव, पानी-जानवर समेत कई मांगें

सुलतानपुर, संयुक्त किसान मोर्चा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में एसडीएम ऑफिस का घेराव करके प्रदर्शन किया। किसानों ने डीएम को संबोधित मांग पत्र एसडीएम सदर बिपिन द्विवेदी को सौंपा। किसानों का कहना है कि जनपद में स्थानीय समस्याओं को लेकर कई बार मांग पत्र दिया गया है, लेकिन अभी तक कोई निस्तारण नहीं हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि कचनांवा, निगोलिया, त्रिलोकपुर, ब्लॉक दुबेपुर और ब्लॉक कुड़वार के गांव छुट्टा जानवरों की समस्या से ग्रसित हैं। उन्होंने मांग की कि किसानों को इस समस्या से छुटकारा दिलाया जाए। किसानों ने जनपद में नहरों के माइनरों के टेल तक पानी न पहुंचने की समस्या भी उठाई। इससे किसान अपनी धान की फसलों की रोपाई और सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि माइनरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मांगपत्र में ग्राम सभा रतनपुर की निवासिनी गायत्री देवी के लिए पट्टा दिए जाने की मांग भी शामिल है।

शिक्षक के साथ अभद्रता

छात्रा को छुट्टी न देने पर शिक्षक से रगड़वाई नाक, मोस्ट कल्याण संस्था ने किया प्रदर्शन

सुलतानपुर, मोस्ट कल्याण संस्था ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। संस्था ने धनपतगंज ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय समरथपुर में कार्यरत शिक्षक ओम प्रकाश के निलंबन पर आपत्ति जताई है। एक छात्रा ने कांवड़ में शामिल होने के लिए स्कूल टाइम में छुट्टी मांगी थी। शिक्षक ओम प्रकाश ने छुट्टी देने के बजाय स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर जाने की सलाह दी थी। इसके पांच दिन बाद, 22 जुलाई को गांव के सैकड़ों लोग स्कूल परिसर में घुस आए। छात्रा ने शिक्षक पर धार्मिक टिप्पणी का आरोप लगाया था। ग्रामीणों ने शिक्षक को गालियां दीं और जबरन माफी मंगवाई। प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियो के अनुसार, शिक्षक से फर्श पर नाक तक रगड़वाई गई। उन्हें जबरन मंदिर तक ले जाया गया। इस घटना के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुलतानपुर ने शिक्षक को सुनवाई का अवसर दिए बिना ही निलंबित कर दिया। मोस्ट कल्याण संस्था का कहना है कि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

पेड़ काटने पर हुआ विवाद

ग्राम प्रधान की पत्नी समेत कई लोग घायल, कार और घरेलू सामान को पहुंचाया नुकसान

सुलतानपुर, गोसाईगंज थानाक्षेत्र के जाफरापुर गांव में पेड़ काटने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में ग्राम प्रधान दिलीप कुमार वर्मा की पत्नी गायत्री समेत दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। जब दिलीप कुमार वर्मा काम से बाहर गए थे। इस दौरान गांव के ही रवि ने उनके खेत की मेड़ पर लगे बधूर्त के पेड़ को काट दिया। जब दिलीप की पत्नी गायत्री ने इसका विरोध किया, तो रवि वर्मा, अमरेंद्र वर्मा, संजय, सुरेश, विवेश, राजकुमारी और सुभीता ने उन्हें गालियां देते हुए लाठी-डंडे से हमला कर दिया।

विदेशी नेटवर्क से जुड़ा डिजिटल ठग गैंग गिरफ्तार

प्रयागराज से हुआ गिरोह का खुलासा, 14 राज्यों में फैले नेटवर्क से ठगे करोड़ों

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, साइबर अपराध की दुनिया में प्रयागराज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज की साइबर सेल ने एक ऐसे अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पदार्फाश किया है जो न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों से संचालित गिरोहों से भी जुड़ा हुआ था। गिरोह ने भारत में कई राज्यों में फैले नेटवर्क के जरिए करोड़ों की ठगी को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 5 ठगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है जबकि इस नेटवर्क से जुड़े कई आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य विदेशी नेटवर्क्स (लाओस, मलेशिया, कंबोडिया, वियतनाम, चीन और थाईलैंड) से जुड़े थे। ये आरोपी भारतीय नागरिकों को टेलीग्राम, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य

डिजिटल माध्यमों से झांसा देकर ऑनलाइन ट्रेडिंग, बाइनरी ऑप्शन, शेयर इन्वेस्टमेंट जैसे फर्जी स्कीमों में निवेश के लिए प्रेरित करते थे। निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए जाते थे और बाद में पीड़ितों को ब्लॉक कर दिया जाता था। इस गिरोह की जांच में यह भी सामने आया है कि यह लोग फर्जी वेबसाइट और मोबाइल ऐप्स बनाकर लोगों को बड़े मुनाफे का लालच देते थे। फिर यूपीआई, बैंक खातों और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से पैसे को विदेशों में बैठे नेटवर्क तक ट्रांसफर कर देते थे। गिरोह की गतिविधियां 14 राज्यों में फैली हुई थीं। गिरफ्तार किए गए पांच अभियुक्तों में कौसुतु गुम्मा (ग्रेटर नोएडा), यामी हेनी (ग्रेटर नोएडा), अनुराग (दिल्ली), शानि झा (कानपुर) और हिमांशु कुमार (इटावा) शामिल हैं। इनके पास से 1 एप्पल फोन, 7 फर्जी मोबाइल फोन, 1 रेजर लैपटॉप, 1 टाटा सफारी, 1 पर्सनल बैंक पीओएस मशीन, 14 सिम कार्ड, एटीएम कार्ड व 2,86,000 नगद बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि ये गिरोह भारत के लोगों को विदेशी निवेश प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में शामिल कर फर्जी ट्रांजेक्शन दिखाता था।

इसके बाद पैसे हड़पकर क्रिप्टो के जरिए विदेशों में भेज दिए जाते थे। इनका काम टेलीग्राम पर विदेशी अकाउंट से लिंक कर 'एकाउंट सप्लाई' करना और 'डिस्ट्रीब्यूशन' तक सीमित रहता था।

पोस्टमार्टम हाउस में महिला डॉक्टरों की ड्यूटी

अधीक्षक बोले- दहेज हत्या, दुष्कर्म या संदिग्ध मौत मामले में महिला डॉक्टर मौजूद रहेंगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, एसआरएन हॉस्पिटल में 1 अगस्त से नियमों में बदलाव किया गया है। जिसमें अब पोस्टमार्टम हाउस में महिला डॉक्टरों की भी ड्यूटी लगेगी। यह नई व्यवस्था महिलाओं और उनके परिजनों के लिए अधिक संवेदनशील और न्याय-संगत प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाई गई है। पहले सिर्फ पुरुष डॉक्टर ही पोस्टमार्टम करते थे। नई व्यवस्था के तहत महिलाओं से जुड़े मामलों में विशेषकर दहेज हत्या, संदिग्ध मौतें और यौन हिंसा से संबंधित केसों में अब महिला डॉक्टर भी पोस्टमार्टम करेंगी। इसके अलावा सामान्य मामलों में भी रात के समय शवों का पोस्टमार्टम हो सकेगा। जिसमें डीएम की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

यह कदम समय पर जांच और न्याय सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। रात में होने वाले सभी

पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की जाएगी। साथ ही डॉक्टरों के पैनल की निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी। इससे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। पोस्टमार्टम हाउस के अधीक्षक डॉ राजीव रंजन ने कहा जिले के सीएचसी और पीएचसी में तैनात महिला डॉक्टरों की ड्यूटी का रोस्टर तैयार है। दहेज हत्या, दुष्कर्म की आशंका या महिला की संदिग्ध मौत जैसे संवेदनशील मामलों में महिला डॉक्टर की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी और ऐसे मामलों में पोस्टमार्टम दिन में ही किया जाएगा। इस नई व्यवस्था से न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी।

स्वास्थ्य सखियों की बैठक

- एक साल तक के बच्चों के टीकाकरण का प्रशिक्षण, ईंट-भट्ठा पर जाकर करेंगी जागरूक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, ब्लॉक में स्वास्थ्य सखियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एक साल तक के बच्चों के टीकाकरण को लेकर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में 7 ग्रामसभाओं की

स्वास्थ्य सखियां शामिल हुईं। बैठक का मुख्य उद्देश्य ईंट भट्ठों पर काम करने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित करना है। अक्सर इन परिवारों के बच्चों को टीके नहीं लग पाते हैं। अब स्वास्थ्य सखियां इन परिवारों तक पहुंचकर उन्हें जागरूक करेंगी। वे एक वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों का टीकाकरण कराएंगी। इस अभियान की क्लस्टर कोऑर्डिनेटर आरती पांडेय ने बताया कि वे भादर ब्लॉक से आई हैं। कार्यक्रम के संचालक आशीष सिंह ने जानकारी दी कि यह अभियान अमेठी ब्लॉक में पहली बार शुरू किया जा रहा है। इस पहल से अमेठी क्षेत्र में टीकाकरण की दर में वृद्धि होने की उम्मीद है। विशेषकर वंचित समूहों के बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दहेज के लिए विवाहिता के साथ मारपीट करने का आरोप

ससुरालवालों ने पिटाई कर जमीन बेचकर पैसे लाने की मांग की, पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक विवाहिता के साथ दहेज के लिए मारपीट और उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुनीता मिश्रा कादीपुर की शादी 20 अप्रैल 2024 को बृजेश मिश्रा से हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी में पुनीता के पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दो लाख रुपए नगद और अन्य सामान दिया था। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज को लेकर ताने मारने लगे। उन्होंने पुनीता से कहा कि वह अपने पिता से कहे कि उसके हिस्से की जमीन बेचकर पैसा लाए और बृजेश के नाम बैनामा करवा दे। तीन महीने बाद जब पुनीता मायके आई और फिर 7 अक्टूबर 2024 को ससुराल गई, तो उसकी सास माधुरी, ससुर रामसबारे मिश्रा, देवर आदेश, पति बृजेश, ननद डिम्पल और भांजा आनन्द ने उससे संपत्ति के बारे में पूछा।

जब पुनीता ने कुछ नहीं कहा तो सभी ने उसे गालियां देते हुए लात-घूंसे और डंडे से मारना शुरू कर दिया। इसके सात दिन बाद पुनीता के पति बाहर प्रदेश चले गए और शादी के बाद से ही उन्होंने पुनीता से कोई संपर्क नहीं रखा। घर पर पुनीता को भूखा-प्यासा रखा जाता था और बंद कमरे में रखकर सास-ससुर और उनके नाती आनंद द्वारा मारपीट और उत्पीड़न किया जाता था। आनंद ने पुनीता के साथ अश्लील हरकत करने का प्रयास किया। जब पुनीता ने विरोध किया तो आनंद ने उसे लात-घूंसों से मारा। 25 जुलाई को आदेश, ननद डिम्पल और सास-ससुर ने कमरे में बंद करके पुनीता को मारा और धमकी दी कि अगर वह अपने माता-पिता से संपत्ति नहीं दिलाएगी तो उसे जान से मार देंगे। 26 जुलाई को सुबह ससुराल वालों ने पुनीता के सारे गहने छीनकर उसे चार पहिया गाड़ी में बैठाकर उसके मायके ग्राम लौहारा में नहर की पुलिया पर छोड़ दिया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

- इंडोरामा ट्रस्ट और इंदिरा गांधी नेत्र अस्पताल ने 257 मरीजों की जांच की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जगदीशपुर ब्लॉक के सिठौली गांव में एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर इंडोरामा जन सेवा ट्रस्ट अस्पताल और इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र मुंशीगंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इंडोरामा जन सेवा ट्रस्ट के सीएसआर प्रमुख अभिनव सिन्हा ने जानकारी दी कि शिविर में इंडोरामा अस्पताल के डॉ. रोहित बैसवार और डॉ. पी. प्रताप ने 133 मरीजों का परीक्षण किया। इन सभी मरीजों को नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गईं। इसी शिविर में इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय की टीम ने 124 मरीजों के नेत्रों की जांच की। इनमें से 39 मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई। इन सभी मरीजों को नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर दिया गया है और उनके ऑपरेशन की तिथि

भी निर्धारित कर दी गई है। शिविर का औपचारिक शुभारंभ फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर इंडोरामा पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आर.के. द्विवेदी, सीएसआर प्रमुख अभिनव सिन्हा और अस्पताल के अधीक्षक देव नारायण पाठक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार पिकअप ने स्कूली छात्रों को मारी

तीन छात्र घायल, एक को मिली छुट्टी, दो का इलाज जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, तेज रफ्तार पिकअप ने स्कूली छात्रों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन छात्र घायल हो गए। घटना गौरीगंज थाना क्षेत्र के संस्कार ग्लोबल स्कूल के पास हुई। सुल्तानपुर रोड पर स्थित संस्कार ग्लोबल स्कूल के पास आज सुबह लगभग 8:00 बजे बोलेरो पिकअप (यूपी 33 सीटी 5692) ने दुर्घटना को अंजाम दिया। इस हादसे में स्कूल के तीन छात्र घायल हुए। घायल छात्रों में 17 वर्षीय आयुष सिंह (पुत्र अजय सिंह, निवासी बलीपुर खुरदवा), 16 वर्षीय अंश यादव (पुत्र राम बहादुर यादव, निवासी बारीपुर हल्लहा) और 18 वर्षीय आदित्य सिंह (पुत्र राणा प्रताप सिंह, निवासी पचेहरी) शामिल हैं। दुर्घटना में एक बुलेट

मोटरसाइकिल (यूपी 36 के 9888) भी क्षतिग्रस्त हो गई।

घायलों को एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल ले जाया गया। वर्तमान में आयुष सिंह और अंश यादव का इलाज जारी है। आदित्य सिंह को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सभी छात्रों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने पिकअप चालक राज बहादुर (33 वर्ष, पुत्र सत्रोहन यादव, निवासी नानकारी, थाना मिल एरिया, रायबरेली) को वाहन समेत हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच जारी है।

बाइक सवार दंपती को रौंदकर अज्ञात वाहन फरार

दिल्ली कानपुर हाइवे पर हुआ हादसा, गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ में दिल्ली कानपुर हाइवे पर हादसा हो गया। सिकंदराराउ से दिल्ली जा रहे बाइक सवार पति पत्नी को अज्ञात वाहन रौंद कर भाग गया। डायल 112 की पीआरवी के स्टाफ की सूचना पर हाइवे एम्बुलेंस मौके पर आ गई और घायलो को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। इधर, हादसे की खबर पाकर बुधवार को घायलो ल परिजन अस्पताल पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, जनपद हाथरस के थाना सिकंदरा राऊ के गांव नगरिया पट्टी देवरी के रहने वाले अतुल कुमार दिल्ली में प्राइवेट नौकरी (सिलाई) करता है। पिछले दिनों घर आया था। यहां से वह दिल्ली वापस जा रहा था। साथ मे पत्नी रजनी भी थी। अलीगढ़ से

आगे गभाना क्षेत्र में दिल्ली कानपुर हाइवे स्थित पला सल्लू कट के पास बाइक पहुंची थी। तभी अज्ञात वाहन बाइक को रौंद कर भाग गया। हादसे में पति पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर हाइवे एम्बुलेंस मोके पर आ गई। दोनों को जिला अस्पताल मलखान सिंह लाया गया। ईएमटी जितेंद्र सिंह ने डायल 112 की सूचना पर मौके पर गए थे। दोनों घायल पति पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया है। दोनों की हालत गम्भीर है। हादसे में इनकी बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। दूसरा कौनसा वाहन था इसकी जानकारी नहि है। शायद कोई अज्ञात वाहन था, जो टक्कर मारकर मोके से भाग गया। इधर, जिला अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि मंगलवार देर रात्रि घायल पति पत्नी आये थे। दोनों की हालत गम्भीर थी। उनको प्राथमिक उपचार देकर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इनके गम्भीर चोट आई हैं। हादसे की सूचना सम्बंधित थाना पुलिस को भेज दी है। परिजन अस्पताल आ गए। अतुल और रजनी की हालत देख उनके होश उड़ गए।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल, बाइक और तमंचा बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बरसाना पुलिस ने दो लुटेरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली से दोनों के पैर में चोट लगी है और उन्हें इलाज के लिए सीएचसी बरसाना में भर्ती कराया गया है। पुलिस को सूचना मिली कि श्रीनगर-करहला तिराहे के पास दो संदिग्ध लुटेरे मौजूद हैं। पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की तो लुटेरों ने भागने की कोशिश की और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की,

जिसमें दोनों लुटेरों की बाईं टांग में घुटने के नीचे गोली लगी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लखन उर्फ लेखन (23 वर्ष, निवासी पीरपुर, थाना शेरगढ़) और अनिल उर्फ अन्नू (30 वर्ष, निवासी लाडपुर, थाना छाता) के रूप में हुई है। दोनों मथुरा जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों से दो तमंचे .315 बोर, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, एक चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (बिना नंबर प्लेट), एक लूटा हुआ लावा कंपनी का मोबाइल फोन और 4,050 रुपए नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ थाना बरसाना में मुकदमा अपराध संख्या 267/2025 धारा 109/ 317(5) बीएनएस और 5/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रेल कर्मचारियों ने उठाई मांग

7वें वेतन आयोग के गठन, कैडर रिस्ट्रक्चरिंग समेत कई मांगें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, रेलवे यूनियन कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार दोपहर को आयोजित की गई। इस अवसर पर शाखा के सहायक शाखा मंत्री वी.के. सिंह की रेल सेवा

के उपलक्ष्य में सम्मान एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभूति किड़ा, अध्यक्ष लखनऊ मंडल द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में आर.के. पांडेय, मंडल मंत्री और सहायक महामंत्री एन.आर.एम.यू उपस्थित थे। साथ ही शुभांशु तिवारी, सहायक मंडल मंत्री-लखनऊ मंडल और अन्य मंडलीय नेता भी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल मंत्री आर.के. पांडेय ने बताया कि वर्तमान समय में सरकार रेल कर्मियों की मुख्य मांगों में अनावश्यक विलंब कर रही है। उन्होंने कहा कि 7वें वेतन आयोग के गठन के लिए उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्यों को नामित करने में विलंब किया जा रहा है।

11 हजार वोल्ट की लाइन से झुलसे दो बंदर

अमेठी में एक की मौत, दूसरा घायल; वन विभाग और पशु अस्पताल मौके पर नहीं पहुंचे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, संग्रामपुर क्षेत्र के भीटहरी सहजीपुर गांव में एक घटना सामने आई। यहां 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आने से दो बंदर गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों ने तुरंत इस हादसे की सूचना वन विभाग और पशु चिकित्साधिकारी को दी। लेकिन दोनों विभागों से कोई सहायता नहीं मिली। समय पर इलाज न मिलने के कारण एक बंदर की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा बंदर घायल

अवस्था में तड़पता रहा। वन विभाग ने बंदरों को अपनी जिम्मेदारी से बाहर बताया।

पशु अस्पताल से भी कोई कर्मचारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। इस लापरवाही के विरोध में ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीण राजू सिंह ने बताया कि उन्होंने फोन पर दोनों विभागों को सूचना दी थी। इसके बावजूद कोई मदद नहीं मिली। एडीओ पंचायत लाल शशिकांत सिंह ने बताया कि सफाई कर्मचारियों की टीम भेजकर ग्रामीणों की मौजूदगी में मृत बंदर का अंतिम संस्कार कराया गया है। वन दरोगा रणवीर सिंह ने बताया कि बंदर अब ग्राम सभा के अंतर्गत आते हैं। लेकिन मौके पर बीट वाचर को भेजा गया था।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी